वर्ष : 03 अंक : 97
गाजियाबाद, शुक्रवार 09 अगस्त 2024
पृष्ठ-6 मूल्य : दो रुपये
RNI No - UPHIN/2022/84480
E-mail: swastiksaharanews@gmail.com
www.swastiksahara.com

अगर एक हारा हुआ इंसान हारने के बाद भी मुस्कुरा दें, तो जितने वाला भी जीत की खुशी खो देता है।

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

लोकसभा में वक्फ (संशोधन) बिल पेश

विपक्ष ने कहा- यह संविधान की मूल भावना के खिलाफ

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पुरःस्थापित करने का प्रस्ताव किया जिसका विपक्ष ने इसे सदन के सांविधिक अधिकार के परे और संविधान के मौलिक अधिकारों के विरुद्ध करार देते हुए जबरदस्त विरोध किया तथा विधेयक को वापस लेने अथवा संसदीय समिति के विचार के लिए भेजने की मांग की। अपराह्न एक बजे अध्यक्ष ओम बिरला की अनुमति से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस विधेयक को पुरःस्थापित करने का प्रस्ताव रखा जिसका विरोध करते हुये विपक्ष ने नियम 72 के तहत इस प्रस्ताव पर चर्चा करवाने के मांग की। श्री बिरला ने विपक्ष की भावना को देखते हुये अध्यक्ष ने नियम 72 के तहत उनके बात रखने की अनुमति दी।

कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक, माकपा, भाकपा, वाईएसआर कांग्रेस आदि पार्टियों ने जहां विधेयक का विरोध किया, वहीं सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल जनता दल यूनाइटेड, तेलुगु देशम और शिवसेना ने इस विधेयक का समर्थन किया। शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि जो देश की व्यवस्थाओं को जाति एवं धर्म के आधार पर चलाना चाहते हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए। इस विधेयक का मकसद पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाना है लेकिन संविधान पर भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। जो लोग विरोध कर रहे हैं, उनकी सरकार ने जब महाराष्ट्र में शिर्डी, महालक्ष्मी मंदिरों में प्रशासक बैठाये थे, उन्हें संविधान एवं संघीय ढांचे की याद क्यों नहीं आयी। कांग्रेस के के सी वेणुगोपाल ने कहा कि यह विधेयक संविधान विरोधी है और एक समुदाय के हितों को नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि संविधान में हर समुदाय को अधिकार है अपनी धार्मिक, चैरिटेबल आधार पर चल अचल संपत्ति रखे। इस विधेयक में वक्फ बोर्ड में दो गैर मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने की बात कही गयी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या अयोध्या के श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास में गैर हिन्दू हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार आक्रमण है और संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण है। भारत की संस्कृति में सब एक दूसरे की आस्थाओं एवं धार्मिक विश्वासों का आदर करते हैं। लेकिन यह कदम उनमें विभाजन पैदा करेगा। श्री वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार फासीवाद की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियां सैकड़ो वर्ष पुरानी हैं।

वक्फ बोर्ड पर कुछ माफियाओं का कब्जा, मुसलमानों को गुमराह कर रहा विपक्ष: किरेन रिजिजू

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि वक्फ अधिनियम 1995 अपने उद्देश्य की पूर्ति में सफल नहीं रहा, हम कांग्रेस को बताना चाहते हैं कि ये संशोधन उन कार्यों को पूरा करने के लिए लाए जा रहे हैं जो आप नहीं कर सके। संयुक्त संसदीय समिति ने सिफारिश की थी कि वक्फ अधिनियम 1995 का फिर से अध्ययन होना चाहिए, विपक्ष राजनीति के लिए इसका विरोध कर रहा है।

किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि इस विधेयक से किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा।

भारतीय हॉकी टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल, 52 साल बाद भारत ने लगातार 2 पदक जीते

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। टीम इंडिया की ओर से दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए। वहीं भारत ने ओलंपिक्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल जीता है। जबकि भारत की झोली में ये चौथा मेडल आया है। इसके साथ ही भारतीय हॉकी टीम ने अपने गोलकीपर पीआर श्रीजेश को ब्रॉन्ज मेडल के साथ बेहतरीन विदाई दी है। बता दें कि, ये श्रीजेश के करियर का आखिरी मैच था। बता दें कि, इससे पहले टोक्यो ओलंपिक 2020 में भी भारत ने हॉकी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हॉकी में ओलंपिक में भारत का ये 13वां मेडल है। 52 साल बाद भारतीय हॉकी टीम ने पहली बार लगातार दूसरा मेडल जीता है। इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे, ये कारनामा उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किया।

अरविंद केजरीवाल को फिर नहीं मिली राहत, 20 अगस्त तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ा दी। उन्हें तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से उपजे भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी उचित कारण के की गई। उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक की जमानत याचिका को निस्तारित कर दिया और उन्हें राहत के लिए अधीनस्थ अदालत में जाने की छूट प्रदान की। उच्च न्यायालय ने सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर 17 जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने केजरीवाल और केंद्रीय एजेंसी के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद 29 जुलाई को 'आप' नेता की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था, जहां वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन के एक मामले में न्यायिक हिरासत में बंद थे।

सीएम योगी ने दिये एंटी रोमियो स्क्वाड को फिर से सक्रिय करने के निर्देश, हर जिले के थानों में लगेगी टॉप 10 अपराधियों की सूची

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में महिलाओं से छेड़छाड़ और उनके साथ गलत व्यवहार करने वालों की अब खैर नहीं है। हम आपको बता दें कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एंटी रोमियो स्क्वाड' दलों को पुनः सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं। हम आपको याद दिला दें कि योगी ने 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार एंटी रोमियो स्कवाड की स्थापना की थी।

योगी ने साथ ही स्थानीय अधिकारियों को जिले के शीर्ष 10 अपराधियों की सूची पुलिस थानों में प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए हैं। हम आपको बता दें कि अयोध्या के दो दिवसीय दौरे के बाद अंबेडकर नगर के अपने एक दिवसीय दौरे में मुख्यमंत्री ने जिले में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए बैठक की।

भयमुक्त वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने जिला स्तर के अधिकारियों को जन सुनवाई और संवाद सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा, ''आगामी चुनाव भाजपा के विकास एजेंडे और विपक्ष के विनाशकारी प्रचार के बीच मुकाबला है।'' योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष की ''जाति के आधार पर समाज को बांटने और झूठी अफवाहें फैलाने की रणनीति'' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''विपक्ष उपचुनावों के दौरान जनता को गुमराह करने के लिए सोशल मीडिया और अन्य मंचों का उपयोग कर सकता है।''

मुख्यमंत्री ने भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे सक्रियता से लोगों से जुड़ें और ''विपक्ष के दुष्प्रचार'' को हर मंच से दूर करें। उन्होंने कहा कि पार्टी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि लोगों के बीच जाएं और उनसे संवाद करें। हम आपको बता दें कि राज्य में 10 विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं। अभी तक चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। बहरहाल, एंटी रोमियो स्कवॉड को लेकर राजनीति तेज हो गयी है।

दिल्ली में बारिश से जलभराव, यातायात हुआ प्रभावित

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के कई हिस्सों में बुधवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया और यातायात बाधित हुआ। मयूर विहार मौसम केंद्र ने अपराह्न ढाई बजे से शाम साढ़े बजे के बीच 46 मिमी बारिश दर्ज की।

शहर के तीन अन्य मौसम केंद्रों - नजफगढ़, लोधी रोड और सफदरजंग (मुख्य मौसम वेधशाला) ने क्रमशः 26 मिमी, 20.4 मिमी और 12 मिमी बारिश दर्ज की। अलग-अलग इलाकों से आ रही तस्वीरों में सड़कों पर पानी भरा हुआ नजर आया और यात्री पानी के बीच से होकर अपने गंतव्य की ओर जाते दिखे। कई इलाकों में भारी जलभराव देखा गया, जिससे जाम लग गया। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि कुतुब मीनार मेट्रो स्टेशन के पास जलभराव के कारण अणुव्रत मार्ग पर दोनों ओर यातायात प्रभावित हुआ है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे इस मार्ग से बचें और अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएं। सोशल मीडिया मंच पर एक अन्य पोस्ट में पुलिस ने कहा कि ढांसा और बहादुरगढ़ बस स्टैंड पर जलभराव के कारण नजफगढ़ फिरनी रोड पर यातायात प्रभावित हुआ। महरौली-बदरपुर रोड पर हमदर्द टी-पॉइंट से खानपुर टी-पॉइंट की ओर जाने वाले मार्ग पर भी जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हुआ।

नीतिगत दरें यथावत रहने से उतार-चढ़ाव के बाद गिरा बाजार

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को लगातार नौवीं बार यथावत रखने से उतार-चढ़ाव से गुजरकर कारोबार के अंत में निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजार पिछले दिवस की तेजी गंवाकर आज आधी फीसदी से अधिक गिरकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 581.79 अंक अर्थात 0.73 प्रतिशत लुढ़ककर 78,886.22 अंक रह गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 180.50 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24,117.00 अंक पर आ गया। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.44 प्रतिशत टूटकर 46,626.09 अंक और स्मॉलकैप 0.16 प्रतिशत उतरकर 0.16 अंक रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 4014 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2083 में गिरावट जबकि 1829 में तेजी रही वहीं 102 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 41 कंपनियों में बिकवाली जबकि शेष नौ में लिवाली हुई। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद गुरुवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मौद्रिक नीति को यथावत बनाए रखने का फैसला किया है। समिति के छह में से चार सदस्यों ने इस निर्णय का समर्थन किया है। इसके मद्देनजर रेपो दर के साथ ही सभी प्रमुख नीतिगत दरें यथावत हैं और उदार मौद्रिक नीति के रूख को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। इस बार ब्याज दर में कम से कम 0.25 प्रतिशत तक की कटौती किए जाने की उम्मीद लगाए कारोबारियों को रिजर्व बैंक का फैसला रास नहीं आया। इसलिए, आरबीआई गवर्नर का स्पीच शुरू होते ही सेंसेक्स-निफ्टी में भारी बिकवाली हुई वहीं बाद में लिवाली होने से यह चढ़ा लेकिन फिर बिकवाली के दबाव में आ गया।

नीतिगत दरें नौवीं बार यथावत, मजबूत विकास के बावजूद महंगाई पर नजर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक गतिविधियों में जारी तेजी एवं आगे महंगाई बढ़ने के जोखिम का हवाला देते हुये गुरूवार को लगातार नौवीं बार नीतिगत दरों को यथावत रखने का फैसला किया है जिससे ब्याज दरों में कमी की उम्मीद लगाये आम लोगों को निराशा हाथ लगी है। मई 2022 से 250 आधार अंकों तक लगातार छह बार की वृद्धि के बाद पिछले वर्ष अप्रैल में दर वृद्धि चक्र को रोक दिया गया और यह अभी भी इसी स्तर पर है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मौद्रिक नीति को यथावत बनाए रखने का फैसला किया है। समिति के छह में से चार सदस्यों ने इस निर्णय का समर्थन किया है। इसके मद्देनजर रेपो दर के साथ ही सभी प्रमुख नीतिगत दरें यथावत हैं और उदार मौद्रिक नीति के रूख को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। समिति के इस निर्णय के बाद फिलहाल नीतिगत दरों में बढोतरी नहीं होगी। रेपो दर 6.5 प्रतिशत, स्टैंडर्ड जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) 6.25 प्रतिशत, मार्जिनल स्टैंडिंग सुविधा दर (एमएसएफआर) 6.75 प्रतिशत, बैंक दर 6.75 प्रतिशत, फिक्स्ड रिजर्व रेपो दर 3.35 प्रतिशत, नकद आरक्षित अनुपात 4.50 प्रतिशत, वैधानिक तरलता अनुपात 18 प्रतिशत पर यथावत है।

बांग्लादेशी हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचार के विरुद्ध प्रदर्शन

जातिभेद को छोड़, हिन्दू को हिन्दू अस्मिता के लिए खड़ा होना होगा: डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। पिछले कई दिनों से बांग्लादेश में हो रही हिंदुओं पर हिंसा के खिलाफ डॉ पवन सिन्हा 'गुरुजी' के मार्गदर्शन में पावन चिंतन धारा आश्रम के आह्वान पर विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग आज गाजियाबाद के दुर्गा भाभी चौक पर एकत्रित हुए। इस प्रदर्शन में आश्रम के संस्थापक परमपूज्य डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी' सहित गाजियाबाद के माननीय लोकसभा सांसद श्री अतुल गर्ग जी तथा माननीय राज्यसभा सांसद श्री अनिल अग्रवाल जी भी उपस्थित रहे।

परमपूज्य डॉ पवन सिन्हा 'गुरुजी' ने आक्रोश प्रकट करते हुए कहा कि जहां कहीं भी हिंदू समाज बहुसंख्यक है वह अल्पसंख्यक को सुरक्षा देता है, उनका सम्मान करता है, उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करता है एवं भाईचारे के साथ संबंध निभाता है। परन्तु इसके विपरीत, जहां कहीं भी हिन्दू अल्पसंख्यक होता है वहाँ उस पर अत्याचार होते हैं, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण आज बांग्लादेश है जहां हिन्दू मंदिरों में घुसकर मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है तथा हिन्दू संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हिन्दू महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। निर्दोष लोगों को धर्म के आधार पर निशाना बनाया जा रहा है। श्री गुरुजी ने आगे कहा कि हिंदुओं को एकजुट होना होगा क्योंकि स्ट्रेंथ ही डिफेंस (२३१ील्लॅ३ॅ२ ििाील्लू) है। जातिभेद को छोड़, हिन्दू को हिन्दू अस्मिता के लिए खड़ा होना होगा, अपनी आवाज मुखर होकर उठानी होगी!

गुरुजी ने भारत सरकार से हिंदू शरणार्थियों को भारत में जल्द से जल्द शरण देने का अनुरोध किया। साथ ही नागरिकता संशोधन अधिनियम (उअअ) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (ठफ्ड) को शीघ्र लागू करने का अनुरोध किया अन्यथा पाकिस्तान और बांग्लादेश में बढ़ती समस्याओं का असर भारत पर पड़ेगा। गुरुजी ने ये निवेदन किया कि बांग्लादेश और पाकिस्तान से आ रही भड़काऊ खबरों का भारत की शांति और सौहार्द पर फर्क नही पड़ना चाहिए, सब मिलजुलकर रहें। पूर्व राज्यसभा सांसद श्री अनिल अग्रवाल ने भी बांग्लादेशी हिंदुओ के समर्थन में पुरजोर आवाज उठाई और कहा वर्तमान मोदी सरकार ने स्थिति पर नजर रखी हुई है और यदि कड़ा फैसला लेना भी पड़ा तो लेंगे। परन्तु यहां के मुस्लिम लोगों को भी आवाज उठानी चाहिये कि हम भारत मे खुश हैं और वह अन्य देशो तक भी यह आवाज पहुंचाएं कि यदि हम सुखी देखना चाहते हैं तो उन देशों में रहने वाले हिंदुओं को भी खुश रखना होगा। माननीय सांसद श्री अतुल गर्ग जी ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति हो रहे अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हर छोटी बात पर हो हल्ला मचाने वाला विपक्ष बंग्लादेश में इतना बड़े स्तर पर होने वाले खून खराबे पर मौन है। ये हिन्दू जातियों में बंटा हुआ है जिसका फायदा देशविरोधी ताकतों सहित विपक्ष भी उठाता है। हमें एकजुट होना होगा। सभा मे पार्षद राजीव जी, पूर्व मेयर आशु वर्मा जी, कवि राज कौशिक जी, बी के शर्मा हनुमान, रवि कटारिया, महेश आहूजा, संदीप त्यागी रसम जी की उपस्थिति रही।

सभा के अंत मे बांग्लादेश में मारे गए बेकसूर हिंदुओं की आत्मा की शांति के लिये 2 मिनट का मौन भी रखा गया।

जिन ग्राम पंचायतों की उत्पादकता कम है, का कारण पता लगाकर उत्पादकता बढ़ायें: जिलाधिकारी

दलहन, तिलहन, सब्जी एवं मिलेट्स की फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाए: इन्द्र विक्रम सिंह

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलैक्ट्रेट में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में वर्ष 2024-25 हेतु कृषि निदेशालय उ०प्र० लखनऊ से प्राप्त कार्ययोजना में दिये गए सम्बन्धित विभागों को ऑवटन तथा उ०प्र० मिलेट्स पुनरोद्वार कार्यक्रम की गाइडलाईन में दिये गए निर्देशों के कम में मिलेट्स की वार्षिक कार्ययोजना की बैठक आहूत हुई। बैठक के दौरान सर्वप्रथम श्री राम जतन मिश्र उप कृषि निदेशक गाजियाबाद द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत कराये गए कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि विभाग एवं सहयोगी विभागों को ऑवटित किये गए लक्ष्यों के सम्बन्ध में अवगत कराया तथा उ०प्र० मिलेट्स पुनरूोद्वार कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में कराये जाने वाले कार्यों की जानकारी भी दी गई।

मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल द्वारा निर्देशित किया गया कि कृषक भ्रमण एवं कृषक प्रशिक्षण में छोटे-छोटे ग्रुप बनाकर कृषकों को प्रशिक्षण एवं भ्रमण के लिए भेजा जाए, तदोपरान्त उन कृषकों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारियों का कितना अपनाया गया है, के सम्बन्ध में फीडबैक भी प्राप्त किया जाए। निर्देशित किया कि कराये जाने वाले प्रशिक्षण, भ्रमण एवं गोष्ठियों आदि का चार्ट बनाकर समयान्तर्गत पूर्ण किया जाए। आत्मा एवं मिलेट्स योजना की बिन्दुवार समीक्षा कर कृषि एवं सहयोगी विभागों को निर्देशित किया कि महिला खाद्य सुरक्षा समूह का गठन किया जाए, जिसके सम्बन्ध में उपायुक्त एन०आर०एल०एम० से सम्पर्क करने के लिए कहा गया। उपरोक्त बैठक में आत्मा गवर्निंग बोर्ड के समस्त जनपदीय अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि क्षेत्रों की मिट्टी का जायजा लेते हुए किसानों को अवगत कराया जाए कि वहां कम से कम पानी में अधिक से अधिक मुआवजे वाली कौन–कौन सी फसले उगाई जा सकती हैं उसकी जानकारी दी जाएं। अनुरूप क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार खेती करने की आवश्कता हैं।

जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा उपस्थित जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि दलहन, तिलहन, सब्जी एवं मिलेट्स की फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाए, जिन ग्राम पंचायतों की उत्पादकता कम है का कारण भी पता लगाते हुए तथा आगामी मौसम में उन ग्राम पंचायत में कृषि की नवीनतम तकनीकी का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराकर उत्पादन में वृद्धि की जाए। कहा कि कृषक श्री रतिराम विकास खण्ड लोनी से हुई वार्ता के क्रम में भूमि का मूल्यांकन करते हुए मिलेट्स फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाया जाना सम्भव है।

बैठक के दौरान मुख्य रूप से जिला जिला विकास अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तवा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.एसपी पाण्डेय, विद्यालय निरीक्षक, उद्यान अधिकारी, पीपीओ, जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण/किसान उपस्थित रहे।

देश का गौरव हैं विनेश, हम सभी को उन पर गर्व: गौरव बंसल

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी आरडब्लूए के मीडिया प्रभारी गौरव बंसल ने कहा कि पेरिस ओलम्पिक से विनेश फोगाट को डिस्क्वालिफाई करने की खबर से सभी भारतीयों को गहरा धक्का लगा है।

लेकिन हम सभी को विनेश फोगाट पर नाज है। वह हमारे देश की बेटी हैं जो पेरिस ओलम्पिक में अपने सभी मैच जीती हैं। उन्होंने सदैव देश का मान बढ़ाया है। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में विनेश फोगाट द्वारा की अपील को स्वीकार कर लिया गया है जिससे हम सभी भारतवासियों के मन में फिर से एक उम्मीद जगी है।

विनेश भारतीय शेरनी, जो कभी हार नहीं मान सकती: रश्मि चौधरी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी आरडब्लूए की पूर्व अध्यक्षा रश्मि चौधरी ने विनेश फोगाट को भारतीय शेरनी बताया है। उन्होंने कहा कि विनेश कभी परिस्थितियों से हार नहीं मानती। इस बार महज कुछ ग्राम वजन से उनका डिसक्वालिफाई होना बेहद कष्टप्रद है लेकिन वो अपने सभी मैच जिस तरीके से लड़ीं उससे भारत को गोल्ड मिलने की संभावना पक्की थी। विनेश द्वारा की गई अपील पर सुनवाई की जा रही है। भगवान से प्रार्थना है कि उन्हें उनकी मेहनत का फल अवश्य मिले।

रोजबेल पब्लिक स्कूल में हरियाली तीज पर छात्राओं के रंगारग कार्यक्रमों ने किया मंत्रमुग्ध

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर स्थित रोजबेल पब्लिक स्कूल में हरियाली तीज का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। स्कूल के बच्चों ने हरियाली तीज के रंगारंग कार्यक्रमों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें छात्राओं ने मेहंदी के आकर्षक डिजाइन से सभी का मन मोह लिया। समारोह का उदघाटन स्कूल की प्रधानाचार्य धर्मजीत कौर ने किया। उन्होंने सभी को हरियाली तीज की बधाई दी। धर्मजीत कौर ने कहा कि हरियाली तीज का पर्व सावन मास में पड़ता है। सावन शुरू होते ही चारों ओर हरियाली व सुंदरता छा जाती है। ऐसे में प्रकृति से प्रेरणा लेते हुए हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि प्रकृति की इस हरियाली व सुंदरता को हमेशा बनाए रखना है। इस पर्व पर हरे रंग हरे रंग के कपड़े पहनने की परंपरा है। इसका कारण यह है कि एक तो इस पर्व पर चारों तरफ हरियाली होती है और पर्व का नाम ही हरियाली तीज है।

वहीं सनातन धर्म में हरा रंग सुख, शांति, हरियाली, तरक्की और अच्छी सेहत का प्रतीक माना जाता है। इस कारण हरियाली तीज पर हरे रंग के कपड़े पहनने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। स्कूल के डायरेक्टर बलप्रीत सिंह ने भी हरियाली तीज पर्व की बधाई दी।

इरोज सम्पूर्णम सोसाइटी में हरियाली तीज महोत्सव पर महिलाओं ने रंगारंग कार्यक्रमों से समां बांधा

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। इरोज सम्पूर्णम सोसायटी में दि. 7-8-24 को भगवान शिव और पार्वती मिलन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले त्योहार हरियाली तीज महोत्सव के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सोसायटी की महिलाओं द्वारा पारंपरिक वेशभूषा धारण कर, हाथों में मेहंदी लगा सावन मास के गीत गाते हुए व गानों पर जमकर थिरक हरियाली तीज का उत्सव मनाया।

सोसायटी में भगवान शिव और पार्वती मिलन के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले आयोजित हरियाली तीज महोत्सव में महिलाओं व बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस रंगारंग कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने खूब मस्ती की ।

सभी महिलाओं ने मिलकर पारंपरिक सावन के गीत गाए व नृत्य कर माहौल को जीवंत बनाया। विदित हो इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए उपवास भी रखतीं हैं। इसके पश्चात सभी ने साथ मिलकर कुछ गेम भी खेले। सर्वप्रथम गोल घेरे के अंदर खड़े होकर इन और आउट का गेम खेला गया जिसमें विजेता महिलाओं का सभी ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया.

। पासिंग पास गेम में महिलाओं ने म्यूजिक के साथ-साथ दैनिक जीवन में आवश्यक अलग-अलग सामाजिक किरदारों का अभिनय किया और जोरदार तालियों की भागीदार बनी। विभिन्न आयु वर्ग की मिसेज तीज का भी आयोजन किया गया।

हरियाली तीज कार्यक्रम में भाग लेने वाली प्रमुख महिलाओं में विध्या, सुनीता कुमार, सरोज, रूचि, मंजू, मंजू गुप्ता, सुदेश, कुसुम, पूनम, कीर्ति, ऊषा बत्रा, आदि प्रमुख रहीं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पूनम गौतम व वंदना सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष दीपांकर कुमार ने कहा कि हरियाली तीज का त्योंहार हमारी संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सोसायटी में भाईचारा कायम रखने के लिए इस तरह के आयोजन आगे भी समय-समय पर होते रहेंगे।

ढोलक की थाप पर रही सावन की मस्ती, ममता बनी तीज क्वीन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। मुकंद नगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर के प्रांगण में तीज उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर ढोलक की थाप पर हरियाली तीज के गीतों के साथ सभी ने जमकर नृत्य भी किया। साथ ही कई तरह की छोटी छोटी प्रतियोगिताएं भी रखी गई थीं, जिसमें सभी ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस मौके पर ममता को तीज क्वीन का पुरस्कार मंदिर समिति की ओर से उषा गर्ग ने प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीमती उषा गर्ग ने सभी को तीज पर्व तथा सावन मास की बधाई दी। नन्हीं बच्चियों नित्या और मान्या ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान सोनिया गर्ग, आशिमा, हेमा शिवपुरी, रितु, पूजा, मंजू आदि ने विशेष सहयोग किया।

पैराडाइस क्लब ने तीजोत्सव धूमधाम से मनाया

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। पैराडाइस क्लब द्वारा तीजोत्सव धूमधाम से मनाया गया। क्लब की सदस्याओं ने रंगारंग कार्यक्रमो से समारोह में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का शुभारम्भ यशोदा ने गणेश वंदना से किया।

मेघना बंसल व मीनाक्षी बंसल ने चुनरी संभाल गोरी, अनीता निवेटिया और पूनम अग्रवाल ने मेरे हाथों मे नौ नौ चूड़िया, नूतन और सोनिया ने मुझे नौलखा मंगा दे, अल्का गुप्ता ने मिश्री से मीठी बाता थारी गीत पर नृत्य पस्तुत कर सबका मन मोह लिया। गति गर्ग व रेनू अग्रवाल ने गंवार पड़ोसन हास्य नाटिका वअल्पना एवं रूचि ने सास बहू की नोक झोंक हास्य नाटिका से सबको हंसाया। मेघना बंसल, गति गर्ग, मीनाक्षी बंसल व रेनू अग्रवाल सावन का महीना पवन करें शोर पर प्रस्तुति दी। रेनू अग्रवाल ने रोचक गेम का आयोजन किया। छाता सजावट प्रतियोगिता प्रीती एवं अलका व कृष्ण झांकी प्रतियोगिता में रेनू और रिया विजयी रहीं। सविता गोयल ने तीज क्वीन का खिताब अपने नाम किया। सोनिया गोयल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। एडीएम सिटी की पत्नी डॉ अंजली सिंह, डॉ मधु पोद्दार व वंदना चौधरी निर्णायक दल में शामिल थीं। ऐश्वर्या वशिष्ठ ने सभी को उपहार दिये। गति गर्ग एवं मीनाक्षी बंसल ने सभी का धन्यवाद किया।

सम्भागीय परिवहन अधिकारी ने जिलाधिकारी को पत्र के साथ दी स्कूलों व उनके वाहनों की सूची, कहा

स्कूली वाहनों के फिटनेस ना कराने वालों पर करायें सख्त कार्यवाही

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। प्रदेश में हो रही स्कूली बसों तथा अन्य बसों की स्थिति के सम्बन्ध में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक होनी प्रस्तावित है।

जिसके मद्देनजर अवगत कराना है कि जनपद गाजियाबाद में कुल 127 स्कूली बसें ऐसी है, जिन्होने अभी तक वाहनों का फिटनेस नहीं कराया है। परिवहन विभाग, गाजियाबाद द्वारा उक्त सभी 127 स्कूली बसों के सम्बन्ध में न केवल नोटिस निर्गत किये गये हैं तथा स्कूलों का थानावार विभाजन करते हुए अधिकारियों को भी स्कूलों में जाकर व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क करते हुए अनफिट स्कूल बसों को फिटनेस प्राप्त करने के लिये प्रेरित भी किया जा रहा है साथ ही हमारी प्रवर्तन टीमें भी सड़क पर चेकिंग के दौरान ऐसे स्कूली वाहन जिनके फिटनेस समाप्त है, उनके संचालन को प्रतिबन्धित करने हेतु प्रवर्तन कार्यवाही भी कर रही हैं।

श्री के०डी० सिंह गौर सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गाजियाबाद द्वारा अवगत कराय गया कि नोटिस प्रेषित करने के उपरान्त वाहनों के पंजीयन निलम्बन की कार्यवाही कार्यालय स्तर पर प्रचलित है। किन्तु, महोदय सहमत होंगे कि बावजूद इस कार्यवाही के उक्त बसों के संचालन होने से इन्कार नहीं किया जा सकता और स्कूली प्रबन्धकों / प्रधानाचार्यों से सम्पर्क करने के बावजूद भी कतिपय स्कूल प्रबन्धन अभी भी वाहनों का फिटनेस नहीं करा रहे हैं।

मेवाड़ के तीज समारोह में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

अमित मिस्टर तो गीता बनीं मिस तीज

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में तीज समारोह धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम व अनोखी मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। ऑडिटोरियम में आयोजित तीज समारोह में डॉ. गीता रानी ने अपनी आकर्षक वेशभूषा और फैशन शो में उम्दा रैम्प वॉक के बूते मिस तीज का खिताब जीता। जबकि अमित अरोड़ा को मिस्टर तीज चुना गया। गोल रोटी बनाने की स्पर्धा में राकेश और अभिषेक को विजेता घोषित किया गया। प्रिया सैनी एवं विनय अधिकतम हरे वस्त्र पहनने पर विजेता चुने गये। मेहंदी स्पर्धा में मोनिका को सर्वश्रेष्ठ चुना गया। इनके अलावा गिरीश, हेमंत, जैना सुशील और वियंता पाल को भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत किया गया। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया व निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने विजेताओं को पुरस्कार दिये।

मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने गीता रानी को मिस तीज का ताज पहनाया। तीज समारोह में एकल व सामूहिक नृत्यों ने खूब समां बांधा। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने सभी को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि सभी आनंदपूर्वक पूर्णता से जिएं। हर परिस्थिति में खुश रहना सीखें। खुश रहना कई बीमारियों का इलाज है।

शहर वासियों के लिए खुशखबरी: नगर आयुक्त का सफल हुआ प्रयास, 15 करोड़ की लागत से बनेगा बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट, शासन से मिली स्वीकृति

60 एकड़ में 38 सुविधाओं से युक्त बनेगा बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट, गाजियाबाद की हवा में होगा सुधार: नगर आयुक्त

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट को लेकर पिछले कई वर्षों से से स्वीकृति के लिए प्रयास चल रहा है जिसमे नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को इस बार सफलता मिल गई है गाजियाबाद के शहर वासियों की सुविधा को देखते हुए बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट को शासन ने स्वीकृति दे दी है, लगभग 15 करोड़ की लागत से महामाया स्टेडियम के पीछे लगभग 60 एकड़ में बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट बनाया जाएगा लगभग 38 सुविधाओं से युक्त होगा बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट, गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर में आधुनिक जंगल बनाने की रूपरेखा बनाई जा रही है जिसमें पूरे पार्क को आधुनिक प्रक्रिया से व्यवस्थित किया जाएगा, नाले के पानी का ट्रीटमेंट होकर पौधों के उपयोगी बनाया जाएगा, बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट मे रिसर्च सेंटर का भी किया गया प्रबंधन रहेगा। नगर आयुक्त महोदय द्वारा बताया गया कि शहर वासियों को गाजियाबाद नगर निगम द्वारा एक आधुनिक पार्क बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट जल्द देने जा रहा है, जिसको पूर्ण रूप से टेक्निकल पर आधारित बनाया जाएगा, हमारे द्वारा कई वर्षों से प्रयास किया जा रहा था जो की पूर्ण हो गया है जिसकी स्वीकृति शासन में दे दी है जिसकी तैयारी रफ्तार से की जाएगी शहर को एक ऑक्सीजन प्लांट के रूप में बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट सफल रहेगा। विशाल बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट में लगभग 400 से 450 प्रजातियां पौधों की लगाई जाएंगी जिसमें जलीय पौधे कैक्टस क्लैमर आदि कई तरह के पेड़ औषधियां एवं जड़ी बूटियां बांस आर्किड एवं साइकस की प्रजातियां भी लगाई जाएंगी, फॉरेस्ट में अन्य आधुनिक व्यवस्थाओं के साथ साथ वहां होने वाला कूड़ा कचरा को ग्रीनमाउंट में तब्दील किया जाएगा तथा वहां पर रिसर्च सेंटर का भी प्रबंध किया गया है जिसमें लोग जैव विविधता के बारे में जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे' पौधों की सिंचाई के लिए सीवेज वाटर को साइट पर ही साफ कर किया जाएगा इस्तेमाल उद्यान प्रभारी डॉ अनुज कुमार द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निदेर्शानुसार शहर को तकनीकी युक्त पार्क देने की तैयारी हेतु आदेश प्राप्त हुए हैं जिसमें समस्त कार्यवाही के उपरांत जल्दी ही बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट बनाने हेतु कार्यक्रम किया जाएगा, महामाया स्टेडियम के पीछे बनाया जाएगा जिसके लिए टेक्निकल टीम का भी चयन वृहद स्तर पर किया जायेगा ताकि शहर वासियों को गाजियाबाद नगर निगम द्वारा एक बेहतर बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट उपयोग हेतु दिया जा सके और आने वाली पीढ़ी भी उस पार्क से उद्यान तथा पर्यावरण संबंधित बातों को समझ सके, बायो डायवर्सिटी फॉरेस्ट के अंदर ग्रीन एरिया की सिंचाई करने के लिए सीवेज वाटर को साइट पर ही साफ किया जाएगा तथा उसको सिंचाई हेतु उपयोगी बनाया जाएगा।

बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट का आनंद गाजियाबाद एवं आसपास के शहर के लोग उठा पाएंगे तथा दूर दराज से आने वाली यात्री भी इस आकर्षक पार्क का हिस्सा बनेंगे तथा गाजियाबाद के अलावा भी अन्य प्रदेशों में भी इसकी प्रसिद्धि रहेगी प्रकार की योजना के तहत पार्क में निर्माण कार्य कराए जाएंगे, तत्कालीन नगर आयुक्तों द्वारा भी बायोडायवर्सिटी की स्वीकृति के लिए प्रयास किया था किंतु गाजियाबाद नगर निगम द्वारा इस बार शासन से स्वीकृति प्राप्त कर ली है शहर वासियों को इस बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट का लाभ प्राप्त होगा जन सहयोग से और सुझावों से बायोडायवर्सिटी फॉरेस्ट को और अधिक बेहतर बनाने का कार्य किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 को

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला जज/ सचिव कुमार मिताक्षर ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार दिनांक 14.09.2024 दिन शनिवार को समय प्रात: 10 :00 बजे स्थान जिला एवं सत्र न्यायालय, जिला कचहरी गाजियाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जनपद गाजियाबाद में जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजियाबाद श्री अनिल कुमार के निर्देशन में लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। इस लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, वादकारी दीवानी, फौजदारी के लघु मामले, मोटर एक्सीडेंट क्लेम, बैंक रिकवरी, मोटरयान चालान, पारिवारिक विवाद, उत्तराधिकार वाद एवं दाम्पत्य विवादों के प्री–लिटिगेशन स्तर पर निस्तारण हेतु वादों का निस्तारण सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारित करा सकते हैं।

जिलाधिकारी के निर्देशन में चल रहा है फाइलेरिया से बचाव के लिए जागरूकता अभियान

दस अगस्त से फाइलेरिया बीमारी से बचाव के लिए जिले में शुरू होगा एमडीए अभियान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

देवरिया। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में 10 अगस्त से 2 सितम्बर तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान की शुरूआत की जाएगी। इसके तहत लक्षित आबादी को फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा का सेवन कराया जाएगा, जिससे वह फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बच सकें।

इसके लिए जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के निर्देशन में स्कूलों और विद्यालयों में जन जागरूकता कार्यक्रम व गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यह गतिविधियां स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग सहित सीफार, पीसीआई संस्था और फाइलेरिया नेटवर्क के सहयोग से आयोजित की जा रही हैं।

सीएमओ डॉ राजेश झा ने बताया कि सरकारी और निजी विद्यालयों सहित 375 विद्यालयों के 80 हजार से अधिक छात्रझ्छात्राओं को फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन करने के बारे में जागरूक किया गया। सीएमओ ने बताया कि विद्यालयों में सीफार, पीसीआई और फाइलेरिया नेटवर्क के सदस्य विद्यालय के बच्चों को फाइलेरिया बीमारी के कारण, लक्षण, जांच और बचाव आदि के बारे में जानकारी देते हुए एमडीए अभियान (10 अगस्त से दो सितंबर) के बारे में जानकारी दे रहे हैं। छात्रझ्छात्राओं को बताया कि फाइलेरिया (फीलपाँव या हाथीपाँव) वाहक मच्छर क्यूलेक्स के काटने के बाद इसके लक्षण पांच से 15 साल के बाद दिखाई देते हैं। इसलिए एक साल से ऊपर के सभी बच्चों, किशोर-किशोरियों, वयस्कों, वृद्धजनों को फाइलेरिया से बचाव की दवा जरूर खानी चाहिए। यह दवा स्वास्थ्यकर्मियों और आशा कार्यकताओं के द्वारा घर-घर जाकर खिलाई जाएगी। यह दवा वितरित नहीं की जाएगी। स्वास्थ्यकर्मी और आशा कार्यकर्ता यह दवा लोगों को अपने समक्ष खिलाएँगी। यह दवा खाली पेट नहीं खानी है। यह दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। साथ ही यह दवा एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को नहीं खानी है। इस दवा के साल में एक बार और पाँच साल लगातार सेवन करने से हम फाइलेरिया से सुरक्षित बन सकते हैं। इसके लिए जन सहभागिता की बेहद आवश्यकता है। छात्र-छात्राओं से अपील की जा रही है कि वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को एमडीए अभियान और फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन करने के बारे में जागरूक करें।

शिक्षक संघ ने सौंपा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गोण्डा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल तिवारी से पंतनगर स्थित कार्यालय पर शिक्षक समस्याओं के निराकरण हेतु ज्ञापन सौपते हुये निम्न समस्याओं को अवगत कराया। जिसमे 28 मार्च 2005 से पूर्व विज्ञापित पदों के सापेक्ष 1 अप्रैल 2005 के पश्चात नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन से आच्छादित किए जाने हेतु शासनादेश निर्गत किया जा चुका हैं।पात्र शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिलाया जाने हेतु पत्रावली वित्त एवं लेखा अधिकारी कार्यालय को तत्काल प्रेषित किया जाए।

12460 सहायक अध्यापक भर्ती के अंतर्गत नियुक्त सहायक अध्यापकों को वेतन लगाए जाने हेतु पूर्व की भाँति समिति गठित करते हुए ऑनलाइन सत्यापन के आधार पर किन्हीं दो शैक्षिक अभिलेख के सत्यापन पूर्ण होने पर वेतन भुगतान करने हेतु आदेश निर्गत किए जाएं। पारस्परिक स्थानांतरण से जनपद गोंडा में आए शिक्षकों का वेतन भुगतान हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए।

संगठन द्वारा अनेकों बार लिखित व मौखिक अनुरोध वार्ता के बाद भी वित्त एवं लेखा अधिकारी कार्यालय द्वारा शिक्षकों को जीपीएफ लेखा पर्ची व पासबुक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, शासन तथा विभागीय निर्देश के बावजूद जीपीएफ को ऑनलाइन नहीं किया जा रहा है जिसके परिणाम स्वरुप शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है समस्या के निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जाय। निशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण तत्काल सुनिश्चित कराया जाए। शिक्षिकाओं के चाइल्ड केयर लीव अवकाश का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। 12460 सहायक अध्यापक भर्ती के अंतर्गत नियुक्त शिक्षकों की ई सेवा पुस्तिका अविलंब बनवाया जाए। इस दौरान जिलाध्यक्ष आनन्द कुमार त्रिपाठी, जिलामंत्री विजय नारायण पाण्डेय, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष इन्द्र प्रताप सिंह, संयुक्त मंत्री /मीडिया प्रभारी वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, अफसर हसन, ऋषि तिवारी, कौशल किशोर ओझा, मुगीसुद्दीन आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मत्स्य पालन के नवीन योजना हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 19 अगस्त निर्धारित

देवरिया (स्वास्तिक सहारा)। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य विजय कुमार मिश्र ने बताया है कि मत्स्य विभाग द्वारा सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना नामक नवीन योजना प्रारम्भ की गयी है। योजना के अन्तर्गत मत्स्य बीज हैचरी संचालित करने वाले हैचरी स्वामी, निजी क्षेत्र एवं पट्टे पर आवंटित तालाब की महिला मत्स्य पालक जिनके तालाब की पट्टा अवधि कम से कम 5 वर्ष अवशेष हो, पात्र होंगे। परियोजनान्तर्गत 0.50 हे0 के तालाब में 2 हार्सपावर के एक क्वाड पैडिल व्हील एरियेटर एवं 1.00 हे0 या उससे बड़े तालाब हेतु अधिकतम दो एरियेटर पर, महिला मत्स्य पालक जिनके तालाब की वर्तमान मत्स्य उत्पादकता कम से कम 4-5 टन प्रति हे0 हो की उत्पादकता में वृद्धि हेतु अनुदान दिया जायेगा। योजना पूर्णत: महिला मत्स्य पलकों के लिए संचालित की गई है। उक्त योजना में विभागीय वेबसाइट ँ33स्र://ƒ2ीं2−4स्र−ॅङ्घ5ऱ्ल पर ऑनलाइन आवेदन किया जाना होगा। ऑनलाइन आवेदन 19 अगस्त 2024 तक किए जा सकेगें। योजना में तालाबों के ऐसे सभी पट्टाधारक आवेदन कर सकते हैं जिनके पट्टे की अवधि में न्यूनतम 5 वर्ष अवशेष हो। योजना हेतु आवेदक को इकाई लागत 0.75 लाख प्रति यूनिट पर सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं हेतु 50 प्रतिशत अनुदान तथा अनुसूचित जाति की महिलाओं हेतु 60 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा। योजनान्तर्गत अन्य विवरण, इकाई लागत आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण विभागीय वेबसाइट ँ33स्र://ƒ2ीं2− 4स्र−ॅङ्घ5ऱ्ल पर देखा जा सकता है। बीयोजना के सम्बन्ध में विकास भवन परिसर में स्थित मत्स्य विभाग के कार्यालय से भी किसी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

रेनू दूबे ने लहराया जीत का परचम

गोण्डा (स्वास्तिक सहारा)। विकास खण्ड परसपुर अन्तर्गत जिला पंचायत चतुर्थ के सदस्य पद को लेकर उपचुनाव में गत छ: अगस्त को मतदान की प्रक्रिया सम्पन्न हुई।गुरुवार को परसपुर स्थित तुलसी स्मारक इंटर कालेज में हुई मतगणना में भाजपा समर्थित रेनू दूबे को 10067 मत मिले,वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी ओमप्रकाश मिश्रा को सिर्फ 7537 मत पाकर ही संतोष करना पड़ा। बताते चलें कि रेनू दूबे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को करारी शिकस्त देते हुये 2530 मतो से जीत दर्ज की। इस बावत निर्वाचन अधिकारी राजीव मोहन सक्सेना ने बताया कि इस उपचुनाव में कुल 18675 पड़े,जिसमें 432 मत अनवैलिड पाए गए। शेष अभिषेक दूबे को 38,अवनीश को 51,अशोक मिश्रा को 451,ओमप्रकाश को 7537,रेनू दूबे को 10067,तथा विमल प्रकाश को 98 मत मिले।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने राजकीय बालगृह, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

देवरिया (स्वास्तिक सहारा)। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने राजकीय बालगृह, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय मिश्रौलिया बैतालपुर एवं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय खोराराम का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान तैयार खाद्य पदार्थों के कुल 9 नमूने लिए गए एवं उपस्थित बच्चियों को खाद्य सुरक्षा एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में जागरूक किया गया। संग्रहित नमूनों में तैयार की गई सब्जी, चावल, दाल, चीला, सांभर एवं रोटी सम्मिलित थे। सहायक आयुक्त खाद्य देवरिया विनय कुमार सहाय ने बताया है कि पाई गई कमियों के संबंध में विभाग द्वारा सुधार हेतु नोटिस दी जा रही है। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम यादव, मानवेंद्र कुमार एवं राजू पाल सम्मिलित थे।

फिटनेस समाप्त हो चुके पंजीकृत 273 वाहनों का पंजीयन 3 माह के लिए निलम्बित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

देवरिया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी आशुतोष शुक्ला ने बताया है कि जनपद में विद्यालयों के नाम से कुल 1218 वाहन पंजीकृत है, जिसमें से 273 स्कूली वाहनों का फिटनेस समाप्त हो गया है। उक्त समस्त स्कूली वाहनों के प्रधानाचार्यों एवं प्रबन्धकों को नोटिस भेजी जा चुकी है तथा दूरभाष से सूचित भी किया गया है। 04 तथा 07 अगस्त को फिटनेस हेतु शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यालय द्वारा नोटिस प्रेषित करने तथा दूरभाष पर अवगत कराने के पश्चात भी ऐसे कुल 273 स्कूली वाहनों के सार्वजनिक मार्ग पर संचालित होने के कारण आम जनमानस को खतरा उत्पन्न हो सकता है। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी ने मोटरयान अधिनियम-1988 की धारा-53 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से विद्यालय वाहनों के रूप में पंजीकृत 273 वाहनों का पंजीयन 03 माह के लिए निलम्बित किया है। यदि निलम्बन की अवधि में वाहन स्वामी द्वारा अपने वाहन का फिटनेस करा लिया जाता है, तो ऐसी स्थिति में वाहन का निलम्बन समाप्त कर दिया जायेगा।

पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह व सपा प्रतिनिधमंडल ने मृतक की पत्नी को दिया पांच लाख का चेक

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गोण्डा। विकास खण्ड परसपुर अन्तर्गत राजाटोला में गत 19 जुलाई को हुई हत्याकांड में मृतक ओमप्रकाश सिंह के घर राजाटोला मे सपा जिला अध्यक्ष अरशद हुसैन पूर्व के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मण्डल मृतक के घर पहुँचकर पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर हर सम्भव मदद करने व न्याय दिलाने की अपील की। पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश यादव के दिशा निर्देश पर सपा का एक प्रतिनिधिमंडल मृतक ओमप्रकाश सिंह के घर पहुंचा।

जहाँ पर मृतक की पीड़ित पत्नी नीलम सिंह से मुलाकात करते हुये समाजवादी पार्टी की तरफ से पाँच लाख रुपये का चेक सहायता राशि के रूप में प्रदान किया।

वहीं भविष्य में हरसम्भव मदद करने की बात कहते हुये पूर्व मंत्री ने मृतक ओमप्रकाश सिंह के बच्चों की स्नातक तक पढ़ाई की जिम्मेदारी लेते हुए गंभीर बीमारी से पीड़ित मृतक की पत्नी नीलम सिंह के लखनऊ के किसी अच्छे अस्पताल में इलाज कराने की बात कही। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय सचिव/ पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा, प्रदेश महासचिव अताउर्रहमां, जिलाध्यक्ष गोण्डा अरशद हुसैन, बैजनाथ दूबे पूर्व विधायक,सूरज सिंह पूर्व प्रत्याशी सदर गोण्डा, संजय विद्यार्थी,अजय सिंह पूर्व प्रत्याशी नगर पंचायत परसपुर, परसपुर विकास मंच अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह,रमेश सिंह व विजय चौरसिया पूर्व जिला पंचायत सदस्य समेत अन्य तमाम क्षेत्रीयजन मौजूद रहे।

सचिव ने राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु पैरा लीगल वालेंटियर्स को दिया विशेष दिशा-निर्देश

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

देवरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के तत्वाधान में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी के द्वारा पैरा लीगल वालेंटियर्स के साथ जनपद न्यायालय के ए0डी0आर0 भवन में बैठक की गयी। सचिव द्वारा प्रत्येक पैरा लीगल वालेंटियर्स के किये गये कार्यो की समीक्षा कर उनके द्वारा किये गये कार्यो का सत्यापन किया गया, तथा उनके कार्य क्षेत्र में होने वाले समस्याओं के बारें में भी पूछा गया, पैरा लीगल वालेंटियर्स की समस्याओं के निवारण हेतु तत्काल सचिव द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा प्रत्येक पैरा लीगल वालेंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि प्राधिकरण के द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में पैरा लीगल वालेंटियर्स की भूमिका अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। पैरा लीगल वालेंटियर्स, प्राधिकरण एवं आम जनता के बीच सेतु का काम करता है। उन्होंने 14 सितंबर का आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु पैरा लीगल वालेंटियर्स को दायित्वों का बोध कराते हुए कहा कि समाज का कोई भी व्यक्ति साधन के अभाव में न्याय से वंचित नहीं रह सके यह जिम्मेवारी सभी पैरा लीगल वालेंटियर्स के कंधों पर है। अपने अपने क्षेत्र में निःशुल्क विधिक सहायता चाहने वाले जरूरतमंद व्यक्तियों की तलाश करें तथा उसे प्राधिकरण तक पहुंचाने में अपनी अहम्‌ भागीदारी सुनिश्चित करें ताकि वैसे जरुरतमंद लोगों को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। उन्होंने पैरा लीगल वालेंटियर्स को उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वर्तमान समय में चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यक्रमों को पूरे कर्तव्य निष्ठां एवं ईमानदारी के साथ अपने अपने क्षेत्र में संचलित करें ताकि सभी को शीघ्र सस्ता व सुलभ न्याय प्राप्त हो सके।

विनेश पोगाट को फाइनल में अयोग्य घोषित होने को लेकर कांग्रेसियों ने सौपा ज्ञापन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गोण्डा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्वमंत्री अजय राय के निर्देश पर देश की स्टार खिलाड़ी महिला पहलवान विनेश फोगाट को ओलंपिक फाइनल में अयोग्य घोषित करने के विरोध मे जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजकर खेल मंत्री को बर्खास्त कर पूरे प्रकरण की जांचोपरांत दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुये ओलंपिक में भारत सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्ज करने के साथ ही फोगाट को फाइनल मुकाबले में खेलने की अनुमति दिलाने का निर्देश देने की मांग की गई।

जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने कहा जिस तरह से विनेश फोगाट ने पूर्व ओलंपिक विजेता को हराने के साथ ही फाइनल तक का सफर तय किया निहायत ही काबिले तारीफ रहा, और यही बात फोगाट विरोधी कुश्ती संघ के साथ ही ओलंपिक संगठन में बैठे महिला पहलवान विरोधी लोगों ने एक साजिश के तहत निश्चित भार वर्ग में चार मैच जीत कर फाइनल में पंहुचने वाली स्टार पहलवान दिनेश फोगाट को फाइनल मैच के पहले आरोग्य घोषित करना भारत सरकार के मुंह पर तमाचा है।

इस दौरान प्रवक्ता शिवकुमार दुबे,ओमप्रकाश सोनकर,प्रद्युम्न शुक्ला,विनय त्रिपाठी,शाहिद अली कुरेशी सभासद,अविनाश मिश्रा,अरुण गौतम,चांद खान,वाजिद अली,अरविंद शुक्ला,हरिराम वर्मा,राजू सेवादल,जानकी प्रसाद,शुक्ला प्रसाद शुक्ला सहित तमाम कांग्रेसीजन उपस्थित रहे।

डीएम ने की राजस्व विभाग के कार्यों की मासिक समीक्षा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने आज सायं कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व विभाग के जुलाई माह के मासिक कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व वादों का निस्तारण शासन की मंशानुरूप प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि वरासत दर्ज करते समय विशेष सतर्कता बरती जाए। कुछ मामले जनता दर्शन के माध्यम से उनकी संज्ञान में आये हैं, जिसमें परिवार में बेटियां होने की दशा में वरासत उनके पुरुष रिश्तेदारों के नाम दर्ज होने की शिकायत प्राप्त हुई है। यह किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। ऐसे सभी प्रकरणों की जाँच की जा रही है। यदि किसी राजस्वकर्मी की भूमिका संदिग्ध मिलेगी तो सख्त विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन गरीबों और असहायों के हितों की रक्षा के लिए उनके साथ खड़ा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि आय एवं जाति प्रमाणपत्र बनाने में पारदर्शिता बरते और निर्धारित समयावधि में आवेदक को उपलब्ध करायें। अकारण लोगों को न दौड़ाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व संहिता के अंतर्गत धारा 24 से जुड़े प्रकरण तीन माह में, धारा 34 के प्रकरण 35 दिन की अवधि में, धारा 80 से जुड़े प्रकरण 45 दिन तथा धारा 116 से जुड़े प्रकरणों को अधिकतम छह माह में निस्तारित करने का प्रावधान है। सभी अधिकारी उपर्युक्त का अनुपालन सुनिश्चित करें। ग्राम समाज की भूमि अथवा सार्वजनिक भूमि पर अवैध अतिक्रमण दिखे तो धारा 67 की कार्रवाई कर उसे मुक्त कराये। इस कार्य में शिथिलता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने प्रत्येक तहसील के 10 बड़े बकायेदारों की सूची तहसील कार्यालय में दृश्य स्थल पर अंकित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनपद के बड़े बकायेदारों से प्राथमिकता के आधार पर वसूली सुनिश्चित की जाए। डीएम ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की भी समीक्षा की। योजना के अंतर्गत 1439 दावे भुगतान हेतु स्वीकृत हुए जिसमें से 1406 प्रकरणों में भुगतान किया जा चुका है। डीएम ने शेष 33 प्रकरणों को भी प्राथमिकता के साथ निस्तारित करने का निर्देश दिया।समीक्षा बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी जे आर चौधरी, एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, सहित समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार इत्यादि उपस्थित थे।

मुख्य विकास अधिकारी ने 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए की बैठक

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के सफल क्रियान्वयन की तैयारियों हेतु संबंधित विभागों के अधिकारीगण के साथ बैठक विकास भवन के गांधी सभागार संपन्न हुई। सीडीओ ने अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिक संगठनों को भी जोड़ा जाए। जनभागीदारी से इसे शासन की मंशानुरूप सफल बनाया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करते हुए स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, अमर बलिदानियों की गाथा को याद किया जाएगा। इस अवसर पर प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करते हुए स्वतन्त्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर कराने के दृष्टिगत ‘हर घर तिरंगा’ (13 अगस्त 2024 से 15 अगस्त 2024) अभियान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसहभागिता के साथ प्रदेश के आवासीय घरों या सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों एवं समस्त शैक्षणिक संस्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज को फहराने जाने का आयोजन किए जाने हेतु विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए है। उन्होंने जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन विभागों को हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत जो भी जिम्मेदारी दी गई है, वह उसका अनुपालन ससमय सुनिश्चित करेगें, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि ‘हर पर तिरंगा कार्यक्रम प्रत्येक सरकारी अधिकारी या कर्मचारी, शिक्षकगण, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्वयं सहायता समूहों विभिन्न नागरिक संगठनों आदि के सहयोग से क्रियान्वित किया जाए। वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक समूहों एवं संगठनों को उनकी सहभागिता एवं तिरंगा बनवाने के लिए सीएसआर संसाधनों को उपलब्ध कराए जाने हेतु प्रेरित किया जाये। ग्राम पंचायत स्तर पर सम्बन्धित विभाग द्वारा जागरूकता सत्र का आयोजन करते हुए ग्राम प्रधानों को शत-प्रतिशत घरों, दुकानों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानो तथा नलकूपों इत्यादि पर झण्डा फहराने हेतु प्रेरित किया जाये। जनपद के समस्त नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में झण्डों के वितरण या बिक्री हेतु केन्द्रों को चिन्हित कर जनपद की समस्त सरकारी राशन की दुकानों को झण्डा वितरण एवं बिक्री केन्द्र के रूप में प्रयोग किया जाये। कार्यक्रम हेतु जनपद के समस्त सरकारी अधिकारीगण, कर्मचारियों, शिक्षको, शिक्षामित्रों, स्वास्थ्यकताओं, आंगनबाड़ी कर्मियों, आशा कार्यकर्ती आदि को पूर्व निर्धारित लक्ष्य दिया जाएं तथा उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु किये गये प्रयासों की नियमित समीक्षा की जायेगी। बैठक में सीएमओ डॉ राजेश झा, जिला विकास अधिकारी रवि शंकर राय, डीपीआरओ सर्वेश पांडेय, डीपीओ कृष्णकांत राय, बीएसए शालिनी श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

ओलंपिक या साजिश का अखाड़ा

अब विनेश फोगाट किस तरह की वापसी करेंगी, इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इन पंक्तियों के लिखने तक खबर थी कि अपना वजन कम करने के लिए विनेश ने रात भर साइकिलिंग की, वेट लिफ्टिंग की लेकिन वजन फिर भी कम नहीं हुआ। उसके बाद वो निराश होती गईं और अंत में बेहोश हो गईं। उन्हें ओलंपिक विलेज के ही पॉलिक्लीनिक में इलाज के लिए ले जाया गया है। श्रीमान मोदी खुश हो सकते हैं कि विनेश फोगाट ओलम्पिक में कुश्ती के फाइनल मुकाबले में आने से पहले ही अयोग्य घोषित कर दी गईं। उनका वजन सौ ग्राम ज्यादा पाया गया, तो इसकी सजा ये मिली कि उन्हें फाइनल मुकाबला खेलने से रोका गया और इसके साथ ही उन्हें अब कोई पदक भी नहीं दिया जाएगा। यहां नरेन्द्र मोदी के लिए खुशी की बात यह है कि अब कम से कम उन्हें ये चिंता नहीं रहेगी कि अगर विनेश फोगाट ओलम्पिक में मिला पदक भी लोककल्याण मार्ग आकर उनके दरवाजे पर रख आतीं, तो फिर वे देश को क्या जवाब देते। वैसे भी देश को जवाब देना उन्होंने कभी जरूरी नहीं समझा। इसलिए 2024 के चुनावी घोषणापत्र में 2036 में ओलम्पिक कराएंगे, जैसी घोषणा वे कर देते हैं और उनके समर्थक इसी में खुश हो जाते हैं। विनेश फोगाट अगर बुधवार को कुश्ती का फाइनल मुकाबला खेलतीं तो फिर एक पदक मिलना तय ही था। स्वर्ण होता तो देश ज्यादा खुश होता, रजत होता, तब भी खुशी कम नहीं होती, क्योंकि पदक मिलना ही बड़ी बात थी। और विनेश फोगाट के मामले में ज्यादा बड़ी बात इसलिए थी क्योंकि उन्होंने पेरिस में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को ही धूल नहीं चटाई, बल्कि पूरी मोदी सरकार को बड़ी पटखनी दी। हालांकि मोदीजी के लिए इसमें भी खुश होने की बात थी, क्योंकि वे तब यह कह सकते थे कि विनेश ने उनकी बात मानते हुए आपदा में अवसर तलाश लिया। उनके असंभव, अविश्वसनीय और अकल्पनीय किस्सों की कड़ी में यह किस्सा भी जुड़ सकता था कि मेरी पुलिस ने विनेश पर जोर आजमाइश की और मैंने उसके साथ नाइंसाफी होने दी, ताकि शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से उसकी मजबूती परख सकें। इस तरह श्री मोदी बड़े आराम से विनेश फोगाट के पदक लाने का श्रेय ले लेते और उनके समर्थक इसे सही साबित भी कर देते। चंद्रयान से लेकर टी-20 वर्ल्ड कप तक सारी उपलब्धियों पर यही तो होता आया है। किसी भी तरह की कामयाबी पर प्रधानमंत्री का चेहरा सामने आ जाता है और उसके पीछे नाइंसाफी की जितनी कालिख है, वो सब छिपा दी जाती है। देश ने देखा है कि मोदी सरकार ने विनेश के सामने तमाम तरह की आपदाएं खड़ी कीं। सरकारी, कानूनी तंत्र की लिंचिंग पर्याप्त नहीं लगी तो मीडिया और सोशल मीडिया की ट्रोल आर्मी के जरिए विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया जैसे खिलाड़ियों का भरपूर अपमान किया। मंगलवार को जब विनेश मैच खेल रही थीं, तो उसकी कमेंट्री साक्षी मलिक कर रही थीं। इधर देश में बजरंग पुनिया विनेश फोगाट पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों को भाजपा की ट्रोल आर्मी का सदस्य बता रहे थे और पूछ रहे थे कि मोदीजी कब विनेश को फोन करके बधाई देंगे।

दैनिक राशिफल

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।
राना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

वृषभ : इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।
व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी।

मिथुन : का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, हा।
घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क : ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।
कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।
बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या : टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो।
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

तुला : रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।
दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

धनु : तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।
उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।
नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ : गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।
फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

मीन : दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।
यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म नयी दिल्ली
मोबाइल नंबर - +91 99990 74369

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001 Phone : 0120-4252839

विश्व आदिवासी दिवस: एक बड़े जनजातीय नर संहार के स्मरण का शोक दिवस

प्रवीण गुगनानी
विदेश मंत्रालय, भारत सरकार में राजभाषा सलाहकार
9425002270

विदेशी शक्तियां भारतीय समाज को विखंडित करने हेतु मूलनिवासी दिवस का उपयोग कर रहीं हैं। नौ अगस्त, वस्तुतः पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किये गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित व दमित जनजातीय समाज द्वारा उत्सव व गौरवदिवस रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह!

आश्चर्य यह है कि पश्चिम जगत, झूठे विमर्श गढ़ लेने में माहिर छदम बुद्धिजिवियों के भरोसे जनजातीय नरसंहार के इस दिन को जनजातीय समाज द्वारा ही गौरवदिवस के रूप में मनवाने कुचक्र में सफल हो रहा है। वस्तुतः 9 अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों में वहां के बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपियन आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक नरसंहार करके उन्हें उनके मूलनिवास से खदेड़ दिया था और नगर छोड़कर सुदूर जंगलों में बसने को विवश कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिये कि हुआ ठीक इसका उल्टा; उन्होंने इस दिन का स्वरुप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया और आश्चर्य यह कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फंस गए। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय योद्धाओं का समृद्ध इतिहास है जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई कई गौरवमई अभियान चलाये व भारतमाता को स्वतंत्र कराने हेतु अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

जनजातीय व वनवासी समाज की प्रतिष्ठा, उसके रक्षण व विकास की भारत में प्राचीन परंपरा रही है। प्रकृति पूजन हमें वेदों से प्राप्त हुआ जिसके प्रति नगरीय समाज की अपेक्षा जनजातीय समाज अधिक आग्रही रहा है। जनजातीय समाज रक्षण का पात्र नहीं अपितु शेष समाज का रक्षक भी रहा है यह तथ्य भी हमें प्राचीन भारतीय परम्पराओं व लेखन से मिलता है। मूल निवासी दिवस की चर्चा करें तो ध्यान आता है कि हमारी नर्मदा घाटी ही मानव प्रजाति की जन्मदाता रही है। नर्मदा किनारे जन्मी इस सभ्यता में नगरीय व वन कंदराओं में निवास करने वाले बंधू दोनों का ही अपना अपना महत्व व भूमिका थी। दोनों ही समाज अपने उत्पादनों व वृत्तियों के आधार पर परस्पर निर्भरता के सिद्धांत से जीवन यापन करते हुए वैदिक धर्म को ही भिन्न रूपों में माना करते थे।

शिव उपासना वैदिक धर्म का एक अविभाज्य अंग रहा है जिसे वन कंदराओं में रहने वाले जनजातीय बंधुओं ने भी आगे बढ़ाया व नगरीय समाज ने भी। वेदों, शास्त्रों, शिलालेखों, जीवाश्मों, श्रुतियों, पृथ्वी के सरंचनात्मक विज्ञान, जेनेटिक अध्ययनों आदि के आधार पर जो तथ्य सामनें आते हैं उनके अनुसार पृथ्वी पर प्रथम जीव की उत्पत्ति गोंडवाना लैंड पर हुई थी जिसे तब पेंजिया कहा जाता था। पेंजिया गोंडवाना व लारेशिया को मिलाकर बना था। गोंडवाना लैंड के अमेरिका, अफ्रीका, अंटार्कटिका, आस्ट्रेलिया एवं भारतीय प्रायद्वीप में विखंडन के पश्चात यहां के निवासी अपने-अपने क्षेत्र में बंट गए थे। जीवन का विकास सर्वप्रथम भारतीय दक्षिण प्रायद्वीप में नर्मदा नदी के तट पर हुआ जो विश्व की प्राचीनतम नदी है।

मध्यप्रदेश के भीम बैठका में पाए गए पच्चीस हजार वर्ष पुराने शैलचित्र, नर्मदा घाटी में की गई खुदाई, तथा मेहरगढ़ के अलावा कुछ अन्य नृवंशीय एवं पुरातत्वीय प्रमाणों से यह सिद्ध हो चुका है कि भारत भूमि, विश्व के प्राचीनतम आदिमानव की कर्मभूमि रही है। यही आदिमानव वैदिक या सनातन संस्कृति के जन्मदाता थे। डॉ. शशिकांत भट्ट की पुस्तक नर्मदा वैली : कल्चर एंड सिविलाइजेशन में, नर्मदा घाटी सभ्यता के विषय में में विस्तार से उल्लेख मिलता है। नर्मदा किनारे मानव खोपड़ी का पांच से छः लाख वर्ष पुराना जीवाश्म मिला है जो सनातन धर्म के सर्वाधिक प्राचीन धर्म होने के अकाट्य प्रमाण को वैश्विक पटल रखता है। पौराणिक ग्रंथों में जिस ह्लरेवाखंडेह्व शब्द का प्रयोग मिलता है नर्मदा संस्कृति की प्राचीनता को प्रकट करता है। इन सब तथ्यों के प्रकाश में यह प्रश्न उपजता है कि अंततः यह मूलनिवासी दिवस मनाने का चलन उपजा क्यों व कहां से ? वस्तुतः यह मूलनिवासी दिवस पश्चिम के गोरों की देन है। कोलंबस दिवस के रूप में भी मनाये जाने वाले इस दिन को वस्तुतः अंग्रेजों के अपराध बोध को स्वीकार करनें के दिवस के रूप में मनाया जाता है। अमेरिका से वहां के मूल निवासियों को अतीव बर्बरता पूर्वक समाप्त कर देनें की कहानी के पश्चिमी पश्चाताप दिवस का नाम है मूल निवासी दिवस।

वस्तुतः इस मूलनिवासी फंडे पर आधारित यह नई विभाजनकारी रेखा एक नए षड्यंत्र के तहत भारत में लाई जा रही है जिससे भारत को सावधान रहनें की आवश्यकता है। आज भारत सामाजिक समरसता के नये आयाम गढ़ रहा है व अंग्रेजों व परिवर्तन कुछ भारत विरोधी तत्वों को रास नहीं आ रहा है। इस सकारात्मक परिवर्तन के वातावरण में जहर बोने का कार्य करते हैं कुछ भारत विरोधी व विभाजनकारी लोग। मूल निवासी दिवस के एजेंडे के पीछे बहुत से ऐसे विदेशी मानसिकता के लोग खड़े हो गयें हैं व भारत के भोले भाले जनजातीय समाज के मन में विभाजन के बीज बो रहें हैं। इस पूरे मामले की जड़ बाबा साहब अम्बेडकर के धर्म परिवर्तन के समय दो धर्मों; इस्लाम एवं इसाईयत में उपजी निराशा में व कम्युनिस्टों की सोच में है। ईसाइयत व इस्लाम धर्म नहीं अपनानें को लेकर बाबा साहब के विचार सुस्पष्ट रहें हैं, उन्होंने सस्वर कहा व लिखा कि उनकें अनुयायी इस्लाम व ईसाइयत से दूर रहें। किंतु आज मूलनिवासी वाद के नाम पर भारत का दलित व जनजातीय समाज एक बड़े इसाई व इस्लामी षड्यंत्र का शिकार हो रहा है। एक बड़े और एकमुश्त धर्म परिवर्तन की आस में बैठे ईसाई धर्म प्रचारक तब बहुत ही निराश व हताश हो गए थे जब बाबासाहब अम्बेडकर ने किसी भारतीय भूमि पर जन्में व भारतीय दर्शन आधारित धर्म में जानें का निर्णय अपनें अनुयाइयों को दिया था। कम्युनिस्ट विचार व इसाई धर्म के इसी षड्यंत्र का अगला क्रम है मूलनिवासी वाद का जन्म! भारतीय दलितों व आदिवासियों को पश्चिमी अवधारणा से जोड़नें व भारतीय समाज में विभाजन के नए केंद्रों की खोज इस मूलनिवासी वाद के नाम पर प्रारंभ कर दी गई है। इस पश्चिमी षड्यंत्र के कुप्रभाव में आकर कुछ दलित व जनजातीय नेताओं ने यह कहना प्रारंभ किया कि भारत के मूल निवासियों (दलितों) को बाहरी आर्यों ने अपना गुलाम बनाकर यहां हिन्दू वर्ण व्यवस्था को लागू किया। बाबा साहेब अपने लेखन कथित आर्य व जनजातीय संघर्ष की बात को दृढ़ता से नकारते हैं। बाबासाहब ने लिखा है झ ह्लआर्य आक्रमण की झूठी कथा पश्चिमी लेखकों द्वारा बनाई गई है जिसके कोई प्रमाण नहीं है। अम्बेडकर जी आगे लिखते हैं झ इस पश्चिमी सिद्धांत का विश्लेषण करनें से मैं जिस निर्णय पर पहुंचा हूँ, वह यह है - वेदों में आर्य जातिवाद का उल्लेख नहीं है व वेदों में आर्यों द्वारा दलित व जनजातीय आक्रमण कर विजय प्राप्त करनें का कोई प्रमाण नहीं है।

ये कथित लोग कहते हैं कि वे मूलनिवासी हैं और बाकी सारे लोग विदेशी हैं। वस्तुतः सच्चाई यह है कि भारत में रह रहे सभी ह्लमूल भारतीयह्व यहां के मूलनिवासी हैं। वस्तुतः इस नए षड्यंत्र का सूत्रधार पश्चिमी पूंजीवाद है। अनावश्यक ही यह राग अलापा जाता रहा है कि आर्य बाहर से आये थे। इस भ्रामक अवधारणा ने भारतीय संस्कृति का बड़ा अहित किया है। भारतीय जनमानस में परस्पर द्वेष, आर्य-अनार्य विचार एवं दक्षिण-उत्तर की भावना उत्पन्न करने वाला यह विचार, तात्कालिक राजनैतिक लाभ हेतु विदेशियों एवं विधर्मियों द्वारा योजनाबद्ध प्रचारित किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर विपक्ष का मौन

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफा देकर भागने के बाद देश के अंदर हिंदुओं के ऊपर अत्याचार शुरू हो गया है। बांग्लादेश में जगह-जगह पर हिंदू मंदिरों और हिंदू समुदाय पर हमले की खबरें आ रही हैं। बांग्लादेश से आ रही रिपोर्ट से पता चलता है कि हिंदुओं के घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इस्कॉन और काली मंदिर पर हमले हुए हैं, जिसके बाद हिंदुओं को जान बचाने के लिए छिपना पड़ा है।

मोदी सरकार पूरे मामले में पर नजर बनाए हुए हैं। लेकिन इन सबके बीच विपक्ष का बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, लूटपाट और हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों पर एक शब्द न बोलना कई प्रश्न खड़े करता है। बांग्लादेश में एक हिंदू संगठन ने दावा किया है कि शेख हसीना के हटने के बाद से सैकड़ों हिंदू घरों, प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमले किए गए। बांग्लादेश की 170 मिलियन आबादी में करीब 8 फीसदी हिंदू हैं और उन्होंने ऐतिहासिक रूप से शेख हसीना की आवामी लीग पार्टी को सपोर्ट किया है, जो मुख्य रूप से धर्मनिरपेक्ष के रूप में जानी जाती है। इसके उलट विपक्षी गठबंधन में एक कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी शामिल है। बांग्लादेश के 27 जिलों में घरों में घुसकर हिंदुओं के साथ मारपीट की जा रही है। हिंदुओं के घरों में आग लगाई जा रही और उनकी दुकानें लूटी जा रही है। हिंदुओं का बेरहमी से कत्लेआम हो रहा है। मंदिरों को आग के हवाले किया जा रहा है। हिंसा की आग में जल रहे बांग्लादेश में जगह-जगह धुआं उठ रहा है। हिंदुओं की बस्तियों में चीख-पुकार मची है। पूरे देश में दंगाइयों ने आतंक का तांडव मचा दिया है। दंगाइयों ने बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में एक इस्कॉन मंदिर को फूंक दिया। एक काली मंदिर में भी तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी। हिंदुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार की घटनाओं के बाद भी विपक्ष ने बेशर्मी का चोला धारण कर रखा है।

इंडी गठबंधन के किसी एक भी नेता ने हिंदुओं पर हो रहे हमले की खुलकर निंदा नहीं की। उलटे इन राजनीतिक दलों के समर्थक और सोशल मीडिया की टीमें ऐसे संदेश लगातार प्रसासित और प्रचारित कर रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की खबरें फर्जी हैं। ऐसी खबरें तो देश की जनता को भड़काने के लिए स्वयं हिंदूवादी संगठन फैला रहे हैं। बेशर्मी की हद तक इनकी राजनीति गिर चुकी है। वहीं बांग्लादेश में तखता पलट की घटना के बाद से

ही सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज की बाढ़ सी आ गई, जिसमें धमकी भरे अंदाज में समझाया गया कि 'देश की जनता तानाशाह का तख्तापलट कर देती हैं। डरा नहीं रहा हूं, बस बता रहा हूं।' इस पूरे मामले में देश की सबसे पुराने और सबसे ज्यादा शासन करने वाले दल कांग्रेस की चुप्पी हैरानी से ज्यादा चिंता का विषय है।

2024 के चुनाव में जिस तरह कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल दलों ने मुस्लिम तुष्टिकरण को हवा दी, उससे आने वाले समय में हिंदुओं की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। इंडी गठबंधन के किसी भी नेता ने यहां तक कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी तक ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर एक शब्द बोला और सोशल मीडिया पर लिखा नहीं। मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दल और नेता हिंदुओं से जुड़े हर मुद्दे पर प्रायः चुप्पी साध लेते हैं। बांग्लादेश में जो भीड़ अत्याचार कर रही है, वो मुस्लिम है। उनके निशाने पर हिंदू जनता और उनके मंदिर, दुकान और घर हैं। बावजूद इसके बड़ी बेशर्मी से ऐसे दलों के चेहते पत्रकार, यू टयूबर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर मुस्लिम आतंकियों, दहशतगर्दों और हिंसक भीड़ का समर्थन करते दिखाई देते हैं। इन आतंकियों, उपद्रवियों और गिरी मानसिकता वाली भीड़ को आंदोलनकारी साबित करने में जुटे हैं। वैसे भी इनके लिए आतंकी साहब, मासूम और राह भटके हुए युवा ही होते हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी दशकों से हिंदू समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न जारी है, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में हिंदू आबादी में तेजी से कमी आई है। 1971 में 22 प्रतिशत से घटकर 2022 में हिंदू आबादी 7.9 प्रतिशत हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ बलात्कार, हत्या, हिंदू धार्मिक संस्थानों पर हमले, जमीन हड़पना, जबरन मतांतरण एक सामान्य घटना बन गई थी। आंकड़ों के आलोक में बात की जाए तो वर्ष 2022 में बांग्लादेश में इस्लामवादियों द्वारा 154 हिंदू लोगों की हत्या कर दी गई और 424 हिंदू लोगों को इस्लामिक बदमाशों द्वारा मारने का प्रयास किया गया। इसी अवधि के दौरान 849 लोगों को जान से मारने की धमकी दी गई और उन हमलों में 360 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इनमें से 62 लोग अब भी लापता हैं।

इसी साल बांग्लादेश में 39 हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और 27 हिंदू महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। 17 हिंदू महिलाओं की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई और 55 अन्य महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और बलात्कार करने का प्रयास किया गया। बांग्लादेश में 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2022 के दौरान 152 हिंदू महिलाओं को जबरन इस्लाम कबूल कराया गया। बात वर्ष 2021 की करें तो इस वर्ष भी बांग्लादेश में 46 हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया, और 411 से अधिक हिंदू महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की गई। 32 हिंदू लोगों को कट्टरपंथियों द्वारा गोमांस खाने के लिए मजबूर किया गया और उसी वर्ष 252 हिंदुओं को मार दिया गया।

बांग्लादेश हो या फिर पाकिस्तान कहीं भी हिंदुओं के साथ अत्याचार, उत्पीड़न, बलात्कार, धर्मांतरण, मंदिरों पर हमले और लूटपाट की किसी भी घटना पर विपक्ष की जुबान बंद ही रहती है। मुस्लिम व्यक्ति का नाम अपराधी, आतंकी और उपद्रवी के तौर पर सामने आते ही कांग्रेस समेत मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तमाम राजनीतिक दलों और नेताओं को सांप सूंघ जाता है। इन नेताओं के आंसू गाजा में हो रहे हमलों और अत्याचार पर तो निकलते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार पर इनके मुंह से हमदर्दी के दो शब्द नहीं निकलते।

मनु भाकर की उपलब्धि पर है पूरे देश को गर्व, लौटाया शूटिंग का स्वर्णिम दौर

योगेश कुमार गोयल

पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन भारत का प्रत्येक व्यक्ति ओलंपिक में पहला स्वर्ण पदक जीतने की पक्की उम्मीदें लगाए बैठा था और ये उम्मीदें टिकी थी भारत की ह्यमिरेकल गर्लह्व मनु भाकर पर। पूरी उम्मीद थी कि ह्यमिरेकल गर्लह्व मनु भाकर ओलंपिक में अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी करते हुए इस स्पर्धा में भी भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में कामयाब हो सकती हैं लेकिन इस बार वह पदक जीतने से थोड़ा सा चूक गई और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में 40 में से 28 शॉट्स लगाने के साथ चौथे स्थान पर रही और इसी के साथ पेरिस ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक लगाने का उनका सपना भी अधूरा रह गया। दरअसल तीसरे और चौथे स्थान के शूटर के बराबर प्वाइंट थे। इसके बाद मनु और हंगरी की मेजर वेरोनिका के बीच शूटऑफ हुआ, जिसमें मनु केवल तीन निशाने ही लगा पाई जबकि हंगरी की शूटर ने चार बार टारगेट को हिट किया और उसी के साथ मनु पदक की रेस से बाहर हो गई। पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन मनु का लक्ष्य ओलंपिक में एक नया इतिहास रचना था लेकिन वह पदक हासिल करने से मामूली सी पीछे रह गई। वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में हार के बाद मनु का कहना था कि उनके ऊपर

इस इवेंट को लेकर काफी दबाव था। हालांकि 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में मिली इस हार के बावजूद भारत की इस इकलौती निशानेबाज ने वो खुशियां और गर्व के पल देश को दिए हैं, जिसकी ओलंपिक शुरू होने के समय तक शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

मनु ने भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में तीन अलग-अलग शूटिंग स्पधाओं में हिस्सा लिया और तीनों में ही उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया। 3 अगस्त को जब मनु वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में खेलने उतरी तो हर नजर उन्हीं के प्रदर्शन पर केंद्रित थी। भले ही वह यह मुकाबला हार गई लेकिन कुल तीन शूटिंग स्पधाओं में से उन्होंने अपने जोश और जज्बे के साथ दो में कांस्य पदक जीतकर भारत में शूटिंग के सुनहरे दौर को वापस लाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मनु की ही बदौलत भारत ने पहली बार शूटिंग में किसी एक ओलंपिक सीजन में तीन मेडल हासिल किए हैं। विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पधाओं में अनेक पदक जीतने के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर मनु ने ऐसा अविस्मरणीय इतिहास रचा, जो उनके अलावा ओलंपिक के 124 वर्षों के इतिहास में अब तक भारत का कोई भी अन्य दएथलीट नहीं कर पाया। पेरिस ओलंपिक में मनु ने जिस तरह का जबरदस्त प्रदर्शन किया और अपने मैचों के दौरान जिस प्रकार का ह्यधाकड़ह्व खेल दिखाया, उसी के कारण उन्हें अब मनु भाकर के साथ-साथ ह्यमनु धाकड़ह्व भी कहा जाने लगा है।

मनु से पहले कोई भी पुरुष या महिला एथलीट एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने में सफल नहीं हुआ है। देश की आजादी से बहुत पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 में आयोजित हुए ओलंपिक में 200 मीटर फरार्टा और 200 मीटर बाधा दौड़ में कुल दो रजत पदक जीतकर एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने का रिकॉर्ड बनाया था और उम्मीद थी कि मनु 124 साल पुराने उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकती हैं लेकिन ह्यमिरेकल गर्लह्व मनु भाकर की ओलंपिक में ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी नहीं हो पाई। हालांकि पहला कांस्य पदक जीतने के साथ ही वह ओलंपिक के इतिहास में भारत के लिए निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बन गई थी और उस पदक के साथ ही मनु ने शूटिंग में भारत के पदक के 12 वर्ष के सूखे को भी खत्म किया था। मनु से पहले 2012 के लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में एक-एक पदक जीते थे। ओलंपिक के 124 वर्ष के इतिहास में मनु से पहले भारत को शूटिंग में केवल 4 पदक ही नसीब हुए थे जबकि भारत केवल इसी ओलंपिक में मनु के दो पदकों सहित कुल 3 पदक जीत चुका है। शूटिंग में 2004 के एथेंस ओलंपिक में राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रजत पदक जीता था, उसके बाद 2008 के बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण पदक भारत के नाम किया और 2012 के लंदन ओलंपिक में विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य पदक जीता था।

ओलंपिक में मनु ने अपना पहला पदक 28 जुलाई 2024 को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग के महिला वर्ग में जीता था। उस शूटिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक में पदक हासिल करने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थी। उसके बाद 30 जुलाई को मनु ने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता और उस जीत के साथ ही वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई थी। एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर वह सुशील कुमार और पीवी सिंधु को भी पीछे छोड़ चुकी हैं। दरअसल ओलंपिक इतिहास में मनु से पहले यही दो ऐसे भारतीय खिलाड़ी थे, जिन्होंने एकल स्पर्धा में दो पदक जीते थे लेकिन उन्होंने अपने पदक एक ही ओलंपिक में नहीं बल्कि अलग-अलग ओलंपिक में जीते थे। सुशील कुमार ने 2008 और 2012 के ओलंपिक में कुश्ती में जबकि स्टार शटलर पीवी सिंधु ने 2016 और 2020 में एक-एक पदक जीते थे। बहरहाल, देश के लिए एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर पर पूरे देश को गर्व है। ओलंपिक में अपने धाकड़ प्रदर्शन से मनु ने 140 करोड़ भारतवासियों का दिल जीत लिया।

सेहत/स्वास्थ्य

विटामिन 6 की कमी हो सकती है नुकसानदायक, इन चीजों का करें सेवन

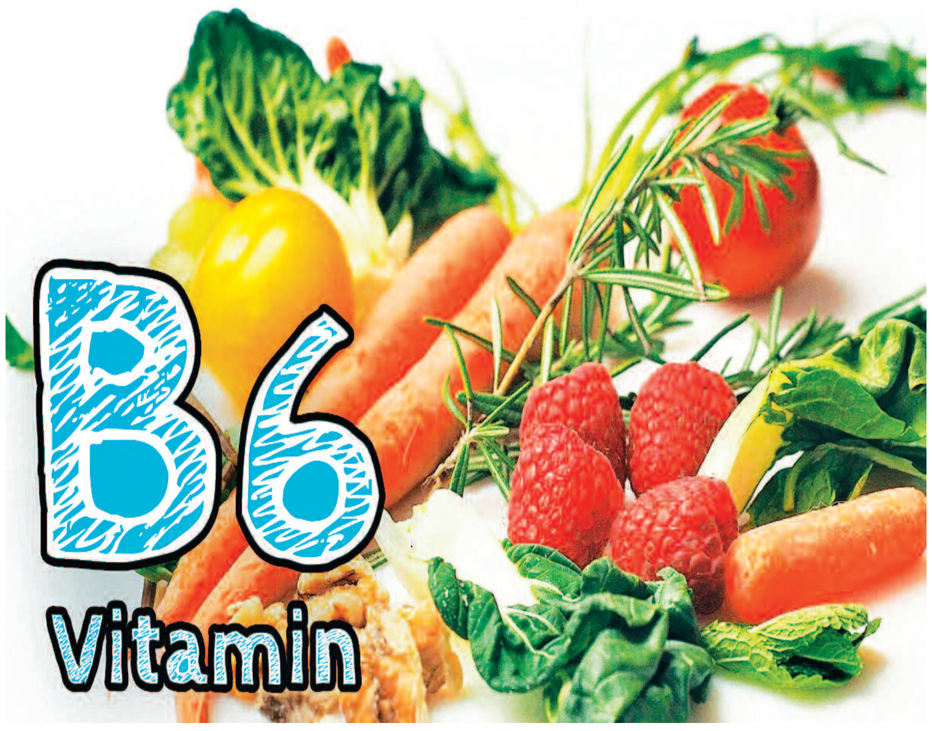

महिलाओं के लिए विटामिन बी6 बहुत जरूरी है। अगर शरीर में इसकी सही मात्रा हो तो पीरियड्स से पहले होने वाले दर्द को कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा विटामिन बी6 गर्भवती महिलाओं में मतली की समस्या को कम करता है।

मोहन जैन

सेहतमंद रहने के लिए कई तरह के विटामिन और पोषक तत्वों की जरूरत होती है। शरीर में पोषक तत्वों की आपूर्ति के लिए हमें अपने खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कई बार कुछ पोषक तत्वों को कमी से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। इन पोषक तत्वों या विटामिन की कमी होने पर शरीर में इसके लक्षण दिखने लगते हैं। विटामिन बी6 एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यह ब्रेन हेल्थ और इम्यूनिटी को बरकरार रखने में मदद करता है। विटामिन बी6 को पैराडॉक्सिन भी कहते हैं। एक शोध में पाया गया कि शरीर में विटामिन बी6 की कमी से कैंसर का जोखिम बढ़ता है।

विटामिन बी6 के लाभ

कैंसर के जोखिम को कम करें

शरीर में पर्याप्त मात्रा में विटामिन6 से कैंसर का जोखिम कम होता है। यह एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है इसलिए यह कैंसर से शरीर की रक्षा करता है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

विटामिन बी6 दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। यह खून में होमोसाइटिन के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। होमोसाइटन का स्तर बढ़ने से हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ जाता है। शरीर में विटामिन बी6 की पर्याप्त मात्रा होने से खून की धमनियों में चिपचिपा पदार्थ नहीं जम पाता है। इससे हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है।

महिलाओं के लिए जरूरी

महिलाओं के लिए विटामिन बी6 बहुत जरूरी है। अगर शरीर में इसकी सही मात्रा हो तो पीरियड्स से पहले होने वाले दर्द को कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा विटामिन बी6 गर्भवती महिलाओं में मतली की समस्या को कम करता है।

विटामिन बी6 की कमी के लक्षण

थकान और सुस्ती
बालों को झड़ना
ड्राई स्किन और फटे होंठ
मुंह पर सूजन

विटामिन बी6 की आपूर्ति के लिए क्या खाएं

विटामिन बी6 की कमी को पूरा करने के लिए अपने आहार में साबुत अनाज जैसे गेहूं, बाजरा, जौ, मक्का, मटर आदि शामिल करें। इसके अलावा अखरोट, बीन्स, केला, बंद गोभी, सोया बीन्स, गाजर और हरी सब्जियों में भी विटामिन बी6 की प्रचुर मात्रा मौजूद होती है। अगर आप नॉन वेज खाते हैं तो अपनी डाइट में मछली, अंडे, चिकन, मटन आदि शामिल कर सकते हैं।

धर्म/कर्म

हिंदु धर्म में रात्रिकालीन विवाह कितना सही है ?

एक बाध्यकारी परिस्थित

क्या कभी आपने सोचा है कि हिन्दुओं में रात्रि को विवाह क्यों होने लगे हैं, जबकि हिन्दुओं में रात में शुभकार्य करना अच्छा नहीं माना जाता है। क्योंकि

रात को देर तक जागना और सुबह को देर तक सोने की आदत को राक्षसी प्रवृति बताया गया है।

केवल तंत्र सिद्धि करने वालों को ही रात्रि में हवन यज्ञ की अनुमति है।

वैसे भी प्राचीन समय से ही सनातन धर्मी हिन्दू दिन के प्रकाश में ही शुभ कार्य करने के समर्थक रहे हैं। तब हिन्दुओं में रात की विवाह की परम्परा कैसे पड़ी ?

दरअसल भारत में सभी उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संस्कार दिन में ही किये जाते थे। सीता और द्रौपदी का स्वयंवर भी दिन में ही हुआ था। शिव विवाह से लेकर संयोगिता स्वयंवर (बाद में पृथ्वीराज चौहान जी द्वारा संयोगिता जी की इच्छा से उनका अपहरण) आदि सभी शुभ कार्यक्रम दिन में ही होते थे।

प्राचीन काल से लेकर मुगलों के आने तक भारत में विवाह दिन में ही हुआ करते थे। मुस्लिम आक्रमणकारियों के भारत पर हमले करने के बाद ही, हिन्दुओं को अपनी कई प्राचीन परम्पराएं तोड़ने को विवश होना पड़ा था।

मुस्लिम आक्रमणकारियों द्वारा भारत पर अतिक्रमण करने के बाद भारतीयों पर बहुत अत्याचार किये गये। यह आक्रमणकारी हिन्दुओं के विवाह के समय वहां पहुंचकर लूटपाट मचाते थे। अकबर के शासन काल में, जब अत्याचार चरमसीमा पर थे, मुगल सैनिक हिन्दू लड़कियों को बलपूर्वक उठा लेते थे और उन्हें अपने आकाओं को सौंप देते थे।

भारतीय ज्ञात इतिहास में सबसे पहली बार रात्रि में विवाह सुन्दरी और मुंदरी नाम की दो ब्राह्मण बहनों का हुआ था, जिनकी विवाह दुल्ला भट्टी ने अपने संरक्षण में ब्राह्मण युवकों से कराया था।

उस समय दुल्ला भट्टी ने अत्याचार के खिलाफ हथियार उठाये थे। दुल्ला भट्टी ने ऐसी अनेकों लड़कियों को मुगलों से छुड़ाकर, उनका हिन्दू लड़कों से विवाह कराया।

उसके बाद मुस्लिम आक्रमणकारियों के आतंक से बचने के लिए हिन्दू रात के अँधेरे में विवाह करने पर मजबूर होने लगे। लेकिन रात्रि में विवाह करते समय भी यह ध्यान रखा जाता है कि ...... नाचना-गाना, दावत, जयमाला, आदि भले ही रात्रि में हो जाए लेकिन वैदिक मन्त्रों के साथ फेरे प्रातः पौ फटने के बाद ही हों।

पंजाब से प्रारम्भ हुई परंपरा को पंजाब में ही समाप्त किया गया। फिल्लौर से लेकर काबुल तक महाराजा रंजीत सिंह का राज हो जाने के बाद उनके सेनापति हरीसिंह नलवा ने सनातन वैदिक परम्परा अनुसार दिन में खुले आम विवाह करने और उनको सुरक्षा देने की घोषणा की थी।

हरीसिंह नलवा के संरक्षण में हिन्दुओं ने दिनदहाड़े - बैंडबाजे के साथ विवाह शुरू किये।

तब से पंजाब में फिर से दिन में विवाह का प्रचालन शुरू हुआ। पंजाब में अधिकांश विवाह आज भी दिन में ही होते हैं।

महाराष्ट्र एवम् अन्य राज्य भी धीरे धीरे अपनी जड़ों की ओर लोटने लगे हैं।

हरीसिंह नलवा ने मुसलमान बने हिन्दुओं की घर वापसी कराई, मुसलमानों पर जजिया कर लगाया, हिन्दू धर्म की परम्पराओं को फिर से स्थापित किया, इसीलिए उनको ह्लपुष्यमित्र शुंगह्व का अवतार कहा जाता है।

सभी विवाह सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त ब्रह्ममुहूर्त में ही संपादित किये जाते हैं। ध्रुवतारा को स्थिरता के प्रतीक रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जो ब्रह्ममुहूर्त में ही सबसे अच्छा दृष्टिगोचर होता है ।

लेकिन साक्षी सूर्य के प्रतीक स्वरूप अग्नि को ही माना जाता है। इसीलिए अग्नि के ही चारों ओर फेरे लिए जाने की विधि है।

पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के अनुसार भी गायत्री परिवार में विवाह दिन में ही सम्पन्न किये जाते हैं ....!!

आज भी हम भारत के लोग, खासकर उत्तर प्रदेश एवं बिहार के लोग, जबकि 400 साल हो गए मुगल यहां से चले गए, किन्तु आज भी उसे परंपरा मानकर उसे चला रहे हैं ! असल में हम गुलामी की मानसिकता से उबरना ही नहीं चाहते हैं।

ब्यूटी / फैशन

बारिश के मौसम में चेहरे पर निकल आते हैं मुंहासे, इस तरह पाएं इनसे निजात

सागर दिवेदी

बारिश के मौसम में त्वचा की अधिक देखभाल करनी पड़ती है। इस मौसम में वातावरण में नमी और बैक्टीरिया ज्यादा होते हैं, जिसके कारण त्वचा संबंधी समस्याएं ज्यादा होने लगती हैं। मानसून में त्वचा ऑयली और चिपचिपी हो जाती है जिससे चेहरे पर मुँहासे, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसी समस्याएँ होने लगती हैं।

अगर आप भी मानसून में मुँहासों की समस्या से परेशान हैं तो आज का यह लेख जरूर पढ़ें। आज हम आपको बारिश के मौसम में मुहाँसों से छुटकारा पाने के कुछ आसान टिप्स देने जा रहे हैं-

टोनिंग करना ना भूलें

हम अक्सर अपने स्किन केयर रूटीन में टोनिंग को स्किप कर देते हैं। लेकिन स्वस्थ त्वचा के लिए टोनिंग बहुत जरूरी है। मानसून में चेहरा साफ करने के बाद टोनर का इस्तेमाल जरूर करें। इससे त्वचा पर जमा गंदगी और मेकअप हटाने में मदद मिलती है। अगर आप बाजार से टोनर नहीं खरीदना चाहते हैं तो घर पर ही गुलाब जल या खीरे का इस्तेमाल डोनर के रूप में कर सकते हैं।

माइल्ड फेस वॉश का इस्तेमाल

बारिश के मौसम में अपनी त्वचा की साफ-सफाई पर अधिक ध्यान दें। दरअसल, इस मौसम में हवा में नमी और बैक्टीरिया ज्यादा होते हैं जिससे स्किन पोर्स में गंदगी जमा हो सकती है। बारिश के मौसम में मुंहासों की समस्या से बचने के लिए किसी अच्छे माइल्ड फेस वॉश से अपने चेहरा धोएं।

मॉइस्चराइज करना ना भूलें

कुछ लोगों को लगता है कि बारिश के मौसम में उनकी त्वचा ऑयली हो जाती है इसलिए उन्हें मॉइश्चराइजर की जरूरत नहीं है। लेकन ऐसा सोचना गलत है। चाहे कोई भी मौसम हो, आपकी त्वचा को मॉइश्चराइजर की जरूरत होती है। इससे आपकी त्वचा की नमी बरकार रहती है। बारिश के मौसम में जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करें।

नीम का इस्तेमाल

मुंहासों की समस्या को दूर करने के लिए नीम भी बहुत फायदेमंद मानी जाती है। नीम में एंटी बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं जो मुंहासों को कम करने में मदद करते हैं। आप चाहे तो नीम की पत्तियों को पीसकर इसका पेस्ट फेस पर लगा सकते हैं या नीम की पत्तियों को पानी में उबाल कर इससे अपना चेहरा साफ कर सकते हैं।

खूब पानी पिएँ

पानी पीना हमारे स्वास्थ्य और त्वचा के लिए कितना फायदेमंद है यह तो आप जानते ही होंगे। पानी पीने से शरीर में जगह टॉक्सिंस को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इस चेहरे पर मुंहासे और ब्लैक हेड्स की समस्या भी दूर होती है। दिन में कम से कम 7-8 गिलास पानी पिएँ। इसके अलावा आप नारियल पानी, जूस आदि का सेवन कर सकते हैं।

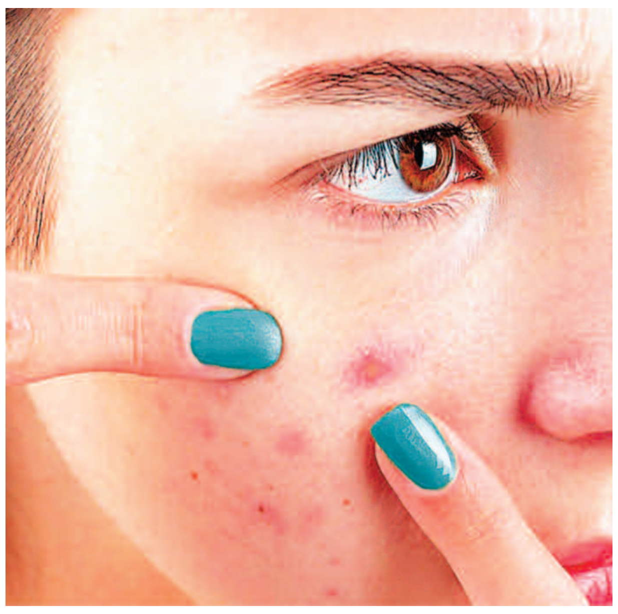

बारिश के मौसम में अपनी त्वचा की साफ-सफाई पर अधिक ध्यान दें। दरअसल, इस मौसम में हवा में नमी और बैक्टीरिया ज्यादा होते हैं जिससे स्किन पोर्स में गंदगी जमा हो सकती है। बारिश के मौसम में मुंहासों की समस्या से बचने के लिए किसी अच्छे माइल्ड फेस वॉश से अपने चेहरा धोएं।

घरेलू नुस्खे

घर की जमी हुई गंदगी को साफ करेगा यह होममेड स्प्रे

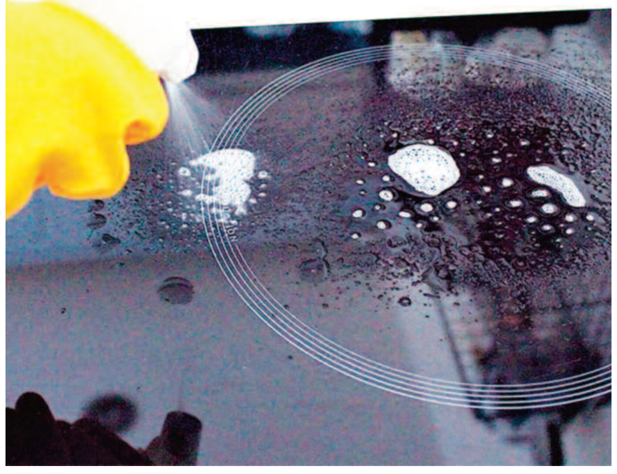

होममेड स्प्रे का इस्तेमाल करने से पहले हर बार स्प्रे बोतल को एक बार जरूर हिलाएं। यदि सरफेस पर अतिरिक्त बिल्ड-अप है, तो ऐसे में 1-2 बूंद ऑरेंज एसेंशियल ऑयल या लेमन एसेंशियल ऑयल को सीधे उस जगह पर डालें और फिर से स्प्रे करें।

मिताली जैन

घर की क्लीनिंग करना हम सभी के लिए एक बड़ा टास्क होता है। खासतौर से, जमी हुई गंदगी या ग्रीस को क्लीन करने में बहुत अधिक समय व मेहनत खर्च करनी पड़ती है। इतना ही नहीं, इसके लिए अलग से मार्केट में मिलने वाले क्लीनिंग स्प्रे को इस्तेमाल किया जाता है, जो काफी महंगे होते हैं। साथ ही, हार्मफुल केमिकल आपको नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में अपनी क्लीनिंग के काम को आसान करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप घर पर ही एक डिग्रीसिंग स्प्रे तैयार करें। यह स्प्रे स्टॉवटॉप्स से लेकर ओवन के अंदर या फिर किसी भी जगह की जमी हुई गंदगी को साफ करने में मदद करेगा। तो चलिए जानते हैं इस क्लीनिंग स्प्रे को तैयार करने का तरीका-

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच लिक्विड कैस्टाइल सोप

1 बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा

15-20 बूंद ऑरेंज एसेंशियल ऑयल या लेमन एसेंशियल ऑयल

2 कप गर्म पानी

होममेड क्लीनिंग स्प्रे बनाने का तरीका-

इस क्लीनिंग स्प्रे को बनाने के लिए सबसे पहले स्प्रे बोतल को गर्म पानी से धो लें।

अब बोतल में कैस्टाइल सोप और बेकिंग सोडा डालकर मिलाएं।

इसके बाद, आप इसमें एसेंशियल ऑयल डालकर मिक्स करें। आप लेमन या ऑरेंज एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मौजूद साइट्रिक एसिड ग्रीस को क्लीन करने में मदद करेंगे। साथ ही, आपका घर भी महकने लगेगा।

अब इसमें गर्म पानी डालें और जोर से हिलाएं।

अब आप इस स्प्रे की मदद से अपने घर की सफाई आसानी से कर सकते हैं।

नोट्स

इस होममेड स्प्रे का इस्तेमाल करने से पहले हर बार स्प्रे बोतल को एक बार जरूर हिलाएं।

यदि सरफेस पर अतिरिक्त बिल्ड-अप है, तो ऐसे में 1-2 बूंद ऑरेंज एसेंशियल ऑयल या लेमन एसेंशियल ऑयल को सीधे उस जगह पर डालें और फिर से स्प्रे करें।

भले ही इस होममेड क्लीनिंग स्प्रे में कठोर रसायन नहीं होते हैं, लेकिन फिर भी यह ग्रेनाइट से बने सरफेस को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, ऐसे सरफेस पर इसका इस्तेमाल करने से बचें।

आप इस होममेड डीग्रीजर स्प्रे को किसी अन्य केमिकल, विशेष रूप से ब्लीच के साथ न मिलाएं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में कर करेत्तर व एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक हुई सम्पन्न

अधिकारियों के द्वारा भूमाफियाओं के विरुद्ध की जाए सख्त कार्रवाई

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा राजस्व वसूली को लेकर निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली सुनिश्चित कराने व भू-माफियाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में कर करेत्तर व एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुयी।

जिला अधिकारी ने स्टांप शुल्क, वाणिज्य कर, आबकारी विभाग, विद्युत विभाग, खनन विभाग, परिवहन विभाग, सिंचाई विभाग एवं अन्य समस्त विभागों की समीक्षा करते हुये संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि शासन के द्वारा जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसी के सापेक्ष अपनी कार्य योजना तैयार करते हुये राजस्व वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि लीज रेंट रजिस्ट्रेशन कराने वाले खरीददारों का स्टांप पर एग्रीमेंट कराया जाये ताकि राजस्व में वृद्धि हो सके। इसी प्रकार वाणिज्य कर विभाग की समीक्षा करते हुये अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीएसटी वसूली में वृद्धि करना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि उनके द्वारा अधिक से अधिक एनफोर्समेंट कार्य किए जाएं ताकि अधिक से अधिक राजस्व वसूली सुनिश्चित कराते हुए लक्ष्य की प्राप्ति की जा सके। उन्होंने समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभागों के द्वारा अपनी कार्य योजना तैयार करते हुए इस प्रकार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए की शासन के द्वारा जो लक्ष्य निर्धारित किया गया, उसी के अनुरूप राजस्व वसूली करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति की जा सके।

जिलाधिकारी ने एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समस्त उप जिलाधिकारी गण एवं पुलिस के अधिकारीगण पुराने भूमाफियाओं की स्कूटनी कर ले और नये भूमाफियाओं को चिन्हित करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि कहीं पर भी भूमाफियाओं के द्वारा अवैध निर्माण या भूमि पर कब्जे का प्रकरण संज्ञान में आता है, तो तत्काल एसडीएम, पुलिस एवं प्राधिकरण के अधिकारी गण संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि तहसील, प्राधिकरण एवं पुलिस के अधिकारीगण संयुक्त रूप से वृहद स्तर पर अभियान चलाकर भूमाफियाओं के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उन्होंने भू-माफिया के संबंध में समीक्षा करते हुए सक्रिय भू-माफिया विकास यादव पुत्र सुरेश यादव निवासी हिमालय एनक्लेव खोड़ा कॉलोनी थाना खोड़ा गाजियाबाद, पप्पू यादव पुत्र शेर सिंह उर्फ सल्हड़ निवासी सफाबार्द थाना सेक्टर 49 नोएडा, विजय शर्मा पुत्र उधम शर्मा निवासी फ्लैट नंबर 1603 टावर ई, आरजी रेजिडेंसी सेक्टर 120, थाना सेक्टर 20 नोएडा, राकेश जायसवाल पुत्र राम अवतार निवासी डी 234 द्वितीय फ्लोर विवेक विहार दिल्ली हाल पतासी 3/49 ब्रज विहार थाना लिंक रोड गाजियाबाद के सहित चिन्हित टॉप 10 भू-माफिया पर सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा एवं ऐसे भू-माफिया, जिनके विरुद्ध अभी तक कोई कार्यवाही प्रस्तावित नहीं की गई है, उनके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध कराने की कार्यवाही करें।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सभी अधिकारी गण समय से अपने-अपने कार्यालय में पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें और आइजीआरएस पोर्टल या व्यक्तिगत रूप से जो भी जन सामान्य की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उनका शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर शिकायतकताओं से वार्ता करते हुए पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित करें। शिकायत के निस्तारण के उपरांत शिकायतकर्ता से भी फीडबैक अवश्य प्राप्त करें।

साथ ही सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि अपनी-अपनी तहसीलों में प्रतिदिन एसडीएम, तहसीलदार कोर्ट में विचाराधीन प्रकरणों में सुनवाई करते हुए निर्धारित समय अवधि में प्रकरणों का निस्तारण किया जाए एवं धारा 24 व धारा 116 के प्रकरणों को अभियान चलाकर जल्द से जल्द निस्तारण किये जाए। साथ ही निर्देश दिए कि तहसीलों से आय, जाति, निवास तथा अन्य प्रमाण पत्रों को लंबित न रखा जाए, सभी आवेदनों पर निर्धारित समय अवधि में आवश्यक कार्रवाई करते हुए ससमय जारी करने की कार्रवाई करें।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने इस अवसर पर जनपद के शासकीय अधिवक्ताओं के साथ अभियोजन की महत्वपूर्ण बैठक की। जिलाधिकारी ने अभियोजन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शासकीय अधिवक्ताओं का आह्वान किया कि पास्को एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरण को लेकर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी बहुत ही गंभीर हैं, इसलिए आप सभी का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है कि पास्को एवं महिला उत्पीड़न संबंधित प्रकरणों में जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने की कार्रवाई की जाए, ताकि मा0 मुख्यमंत्री की जो स्पष्ट मंशा है उसको मूर्त रूप प्रदान किया जा सके। जिलाधिकारी ने शासकीय अधिवक्ताओं को यह भी कहा कि पास्को एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित जो भी टॉप टेन प्रकरण है, उनका सूचीकरण करते हुए समयबद्ध तरीके से उनका निराकरण कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इस अवसर पर शासकीय अधिवक्ता गणों का यह भी आह्वान किया कि सभी अधिवक्ता गण अभियोजन कार्य को नियोजित करते हुए संपादित करें ताकि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सरकार के हित में संभव हो सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा व उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव तथा तहसील के अन्य अधिकारी गण, शासकीय अधिवक्तागण तथा पुलिस एवं अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

माननीय प्रभारी मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने चिकित्सारत बच्चों का लिया कुशलक्षेम

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

देवरिया। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद के प्रभारी मंत्री श्री दयाशंकर सिंह जी आज जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के साथ राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, मेहरौना में हुई फूड प्वॉइजनिंग की घटना से प्रभावित छात्रों का कुशलक्षेम जानने महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचे। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश बरनवाल ने प्रभारी मंत्री को चिकित्सारत बच्चों के स्वास्थ्य के विषय में जानकारी दी।

प्रभारी मंत्री ने बच्चों तथा उनके अभिभावकों से सीधा संवाद कर मिल रही चिकित्सीय सुविधा के बारे में पूछा जिस पर सभी लोगों ने संतोष जताया। उन्होंने बच्चों तथा अभिभावकों को हर संभव सहयोग के लिए आश्वस्त भी किया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा

कि फूड प्वॉइजनिंग की घटना के लिए जिम्मेदार किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मेस का संचालन करने वाले ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य का निलंबन भी हो चुका है। मजिस्ट्रियल जांच की रिपोर्ट के आधार पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों का स्वास्थ्य स्थिर है और उनके स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार हो रहा है। इस दौरान सीएमओ डॉ राजेश झा, सीएमएस डॉ एचके मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

माननीय सांसद, पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पुलिस प्रशासन एवं जनहित से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकरणों में विचार विमर्श हेतु बैठक संपन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्ध नगर। माननीय सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में पुलिस प्रशासन एवं जनहित से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकरणों में विचार विमर्श हेतु बैठक संपन्न संपन्न हुई, जिसमें माननीय विधायक दादरी तेजपाल नागर, माननीय एमएलसी विधायक श्रीचंद शर्मा, जनप्रतिनिधिगण, एडिशनल सीपी शिव हरी मीणा, बबलू कुमार, डीसीपी पुलिस रामबदन सिंह, साद मियां खान एवं संबंधित पुलिस के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

माननीय सांसद डॉक्टर महेश शर्मा द्वारा बताया गया कि माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप पुलिस आयुक्त के निर्देशन में जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ हुई है। उन्होंने कहा कि आज वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुलिस प्रशासन एवं जनहित से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकरणों में सकारात्मक विचार विमर्श करते हुए शासन की छवि को और अधिक मजबूत किया जायेगा ताकि जन सामान्य को एक अच्छा संदेश प्राप्त हो। माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा इस महत्वपूर्ण बैठक में भू-माफिया, साइबर क्राइम, ट्रैफिक, अवैध कॉलोनी, यातायात उल्लंघन, बिजली, अतिक्रमण, अवैध ईंट मंडी, पॉल्यूशन आदि समस्याओं से अवगत कराया गया। सभी समस्याओं का अनुश्रवण करते हैं, पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने माननीय जनप्रतिनिधिगणो को आश्वस्त किया कि आज बैठक में जो मुद्दे आपके द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं, उनका जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा आपसी समन्वय बनाते हुए कार्य योजना तैयार कर यथाशीघ्र निस्तारण कराने की कार्रवाई की जाएगी और कहा कि आगे भी इसी प्रकार से पुलिस प्रशासन एवं जनहित से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकरणों के संबंध में बैठक करते हुए विचार विमर्श किया जाएगा।

250 बच्चों ने यज्ञोपवीत धारण किया

सत्य,समय पालन सफलता का आधार-राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

फरीदाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में श्रद्धा मन्दिर स्कूल,सेक्टर 87, फरीदाबाद में युवा संस्कार समारोह का आयोजन किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया और दुर्गुण त्यागने व सद्गुण धारण करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जीवन में उन्नति के लिए सत्यता और समय का पालन आवश्यक है जो समय का सम्मान करता है वह निरन्तर प्रगति करता है।देश की वर्तमान परिस्थितियों में युवाओं का दायित्व और बढ़ जाता है सभी को राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना है यदि राष्ट्र सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित हैं । शिक्षाविद डॉ.गजराज सिंह आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि हम युवा पीढ़ी को सुसंस्कार देने का अभियान जारी रखेंगे। गायक सज्जन कुमार के मधुर भजन हुए। प्रमुख रूप से आर्य नेत्री विमला ग्रोवर, जीत राम, सुधीर बंसल आदि उपस्थित थे।

डीएम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए चुरली पंचायत में डूबे 3 बच्चों के आश्रितों को प्रति मृतक 4 लाख की राशि अनुग्रह अनुदान के रूप में दिलवाया

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

किशनगंज। जिलाधिकारी तुषार सिंगला के निर्देश पर दिनांक 04.08.2024 को ठाकुरगंज प्रखंड के चुरली पंचायत के कुलीकोर्ट थाने के सामने के पोखर में तीन बच्चों के डूबने की घटना के पश्चात मृतकों के परिजनों को त्वरित कार्यवाही करते हुए आपदा विभाग अंतर्गत अनुग्रह अनुदान राशि का भुगतान किया गया।

उक्त हादसे में तीन बच्चे आयशा (10 वर्ष), सायना (13 वर्ष) और मोहम्मद फिरदौस (9 वर्ष) की पोखर में डूबने से मृत्य हुई थी। डूबने के पश्चात त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया था लेकिन तीनों बच्चों का शव अगले दिन बरामद हो पाया था। आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा ऐसे मामलों में प्रति मृतक

4 लाख की राशि देने का प्रावधान है। इसके आलोक में आज जिलाधिकारी द्वारा प्रति मृतक के आश्रितों को 4 लाख के दर से अनुग्रह अनुदान की राशि का भुगतान जिलाधिकारी कार्यालय वेश्म में किया गया।

जिलाधिकारी ने इस मौके पर मृत बच्चों के परिजनों को सांत्वना देते हुए विश्वास दिलाया कि भविष्य में इस प्रकार की घटना न घटे इसका पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किया जा रहा है। एडीएम अमरेंद्र कुमार, आपदा प्रभारी आदित्य कुमार सिंह एवं सीओ ठाकुरगंज सुचिता कुमारी ने अपने हाथों से आश्रितों को अनुग्रह अनुदान की राशि 4 लाख का चेक पकड़ाया।

देश के आजादी के 78 वें वर्षगाँठ के सानिध्य में चलाई जा रही स्वच्छता ही स्वतंत्रता की पहचान अभियान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

किशनगंज। देश के आजादी के 78 वे वर्षगांठ को गाँव में स्वच्छता पर्व के रूप में मनाने हेतु तथा गांव को गंदगी से मुक्त करने एवं स्वच्छ गांव समृद्ध गाँव के उद्येश्य को प्राप्त करने हेतु जिले में दिनांक 08.08.2024 से 15.08.2024 तक स्वच्छ भारत मिशन / लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अन्तर्गत सामुदायिक व्यवहार से संबंधित स्वच्छता ही स्वतंत्रता ही पहचान अभियान का संचालन प्रारंभ किया गया।

इस अभियान अन्तर्गत गांव में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्य एवं व्यवहार परिर्वतन हेतु जन-जागरूकता से संबंधित गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। स्वच्छता ही स्वतंत्रता

की पहचान अभियान अन्तर्गत 08 से 15 अगस्त 2024 तक प्रत्येक दिन स्वच्छता से संबंधित गतिविधि यथा गांव में व्यापक साफ-सफाई अभियान सावर्जनिक स्थानों एवं संस्थाओं की साफ-सफाई सड़कों के किनारे बिलिचिंग पाउडर का छिड़काव प्लास्टिक कचड़े को श्रमदान के माध्यम से रिसाईकल हेतु एकत्र करना जल जमाव वाला स्थानों को चिन्हित कर निर्मित सामुदायिक सोख्ता में निष्पादन हेतु व्यवस्था करना आदि गतिविधियां का संचालन किया जायेगा।

उक्त अभियान अन्तर्गत समुदाय को जागरूक करने हेतु ग्राम चौपाल लगाकर स्वच्छता के महत्व पर चर्चा करने एवं गांव को स्वच्छ रखने हेतु सामुहिक शपथ गांवों में खुलें में शौच जाने वाले परिवारों को चिन्हित करना स्कूलों में निबंध / चित्रकला प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन स्कूल रैली जीविका दीदी के साथ बैठक उपयोगिता शुल्क संग्रहण हेतु घरो एवं दुकानों की सुची तैयार करना तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झण्डोत्तोलन समारोह एवं ग्राम सभा में भाग लेने जैसी गतिविधियां शामिल है। जिलाधिकारी, किशनगंज द्वारा उक्त अभियान में सभी स्वच्छता कमीर्यों/पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों से बढ़-चढ़ कर स्वच्छता कार्य में योगदान देने हेतु आहवान किया गया है।

इस आलोक में आज जिलें के सभी ग्राम पंचायतों में स्वच्छता स्वतंत्रता की पहचान अभियान से संबंधित कार्यक्रम का शुभांरभ किया गया जिसमें जिलास्तरीय से प्रखंड स्तरीय एवं ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधियों एवं कमीर्यों द्वारा भाग लिया गया जिसमें ग्राम पंचायतों में ठोस एंव तरल अपशिष्ट प्रबंधन एवं ओडीएफ स्थायित्व एवं गांवों को स्वच्छ रखने हेतु विचार विमर्श कर रूप रेखा तैयार की गई, साथ ही गंदगी गाँवों वाले स्थलों की मैंपिग कर व्यापाक साफ-सफाई हेतु कमीर्यों एवं ग्रामीणों से भाग लेने हेतु अपील की गई। इसके अलावे कई स्थानों पर स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों एवंछ रखने हेतु शपथ लिया गया। साथ हीं जनप्रतिनिधियों सहित आम ग्रामीणों से स्वच्छता सेवा प्राप्त करने के एवज में प्रति परिवार प्रतिदिन एक रुपए की दर से प्रतिमाह तीस रूपया का उपयोगिता शुल्क उपलब्ध कराने के निमित प्रेरित किया गया।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह की पूर्व संध्या पर देशभक्ति कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जिलाधिकारी ने शहीद स्मारक स्थल नोएडा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर शहीदों को किया नमन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर शताब्दी समारोह की पूर्व संध्या पर जनपद के विभिन्न शहीद स्मारक/स्थलों पर देश भक्ति कार्यक्रम आयोजित हुए।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह की पूर्व संध्या पर सेक्टर - 29 नोएडा स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पहुंच कर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्र धुन एवं ब्रास बैण्ड वादन के माध्यम से शहीदों को दी सलामी। इस अवसर पर

जिलाधिकारी ने कहा कि हमें बहुत संघर्षों के बाद आजादी प्राप्त हुई है, हम सबको इसका सम्मान करना चाहिए। इस आजादी के लिए कई शहीदों ने अपना बलिदान दिया है। जिलाधिकारी द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत आर्मी पब्लिक स्कूल नोएडा सेक्टर 37 पहुंचे, जहां पर उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह की पूर्व संध्या पर आयोजित संस्कृति

कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक गायक ब्रह्मपाल नागर द्वारा इस अवसर पर काकोरी शौर्य गाथा पर लोकगीत के माध्यम प्रस्तुति दी गई एवं काकोरी के अमर बलिदानियों के विचारों व सिद्धान्तों के उपदेयता व प्रासंगिकता पर बल दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पंचायती राज अधिकारी, संबंधित अधिकारीगण, आर्मी पब्लिक स्कूल प्रधानाचार्य एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्रहमलीन महंत मस्त गिरी महाराज को समाधि दी गई

महंत मस्त गिरी महाराज ब्रहमलीन होने से आध्यात्म व धार्मिक जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है: महाराजश्री

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

ओंकारेश्वर(मध्य प्रदेश)। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर के विंध्याचल सतपुड़ा ओमकार पर्वत परिक्रमा मार्ग पर स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर मधुबन आश्रम के संस्थापक एवं षडदर्शन संत मंडल के अध्यक्ष महंत मस्त गिरी महाराज बुधवार 7 जुलाई को ब्रह्मलीन हो गए।

8 जुलाई को मस्त गिरी महाराज द्वारा स्थापित श्री राधा कृष्ण मंदिर मधुबन आश्रम परिसर में हजारों भक्तों एवं संतों मंडली की मौजूदगी में उन्हें समाधि दी गई। समाधि महंत मस्त गिरी महाराज के गुरू श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिंदू यूनाइटिड फ्रंट अध्यक्ष व श्री दूधेश्वर वेद विद्यालय संस्थान के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के सानिध्य व दिशा-निर्देशन में दी गई।

श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज ने कहा कि महंत मस्त गिरी महाराज ने सनातन धर्म, समाज, देश की जो सेवा की, सनातन धर्मको मजबूत करने के लिए उन्हें जो कार्य किए, उन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा।

उनके ब्रहमलीन होने से आध्यात्म व धार्मिक जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है। अपने सहज एवं सरल स्वभाव के कारण थे संत मंडल एवं भक्तों के बीच बेहद लोकप्रिय थे। जोड़ गणपति हनुमान मंदिर के महंत मंगलदास महाराज, जूना अखाड़े के महंत विजय शंकर पुरी महाराज, महंत तरूण गिरि महाराज ज्वाला गिरी जी की समाधि टीपी नगर मेरठ, महंत कन्हैया गिरी महाराज काल भरैव मंदिर प्रेम नगर गाजियाबाद, प्राचीन देवी मंदिर के महंत गिरीशानंद गिरी महाराज सहित ओंकारेश्वर के षड दर्शन संत मंडल के पदाधिकारी एवं संत सनातन धर्म को मानने वाले संतों एवं महाराज से जुड़े हुए भक्त ओंकारेश्वर नगर पत्रकार संघ के अध्यक्ष मंगल सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष देवेंद्र चौकसे आदि ने ब्रहमलीन महंत मस्त गिरी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की।